दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 60
मुरादाबाद
20 June 2025
(Friday)
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

आने वाले समय में अंग्रेजी बोलने में शर्म आएगी, भाषा विवाद के बीच गृह मंत्री बोले- अब बदलाव का समय

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि अंग्रेजी बोलने वालों को जल्द ही शर्म महसूस होगी। हमारी भाषा ही हमारी पहचान है। भारत अपनी भाषाई विरासत को दोबार हासिल करने जा रहा है। विकसित भारत की यात्रा में देशी भाषाओं की भूमिका सबसे अहम होगी। राष्ट्र की पहचान उसकी अपनी भाषा से होती है। भारतीय भाषाओं के महत्व पर जोर देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यह टिप्पणी की।

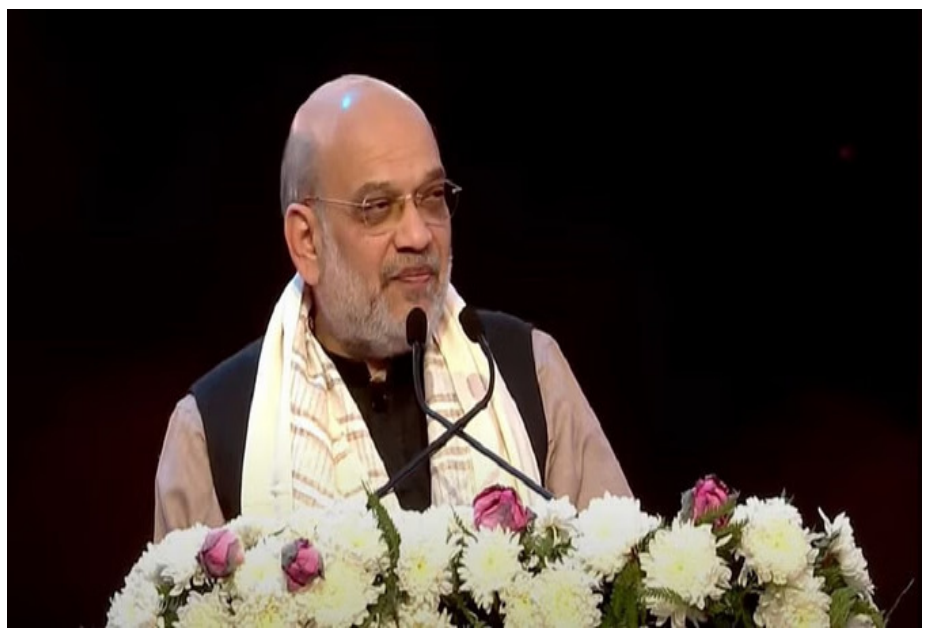

उन्होंने कहा कि भारत की भाषाई विरासत को दोबारा प्राप्त करने और देशी भाषाओं पर गर्व के साथ दुनिया का नेतृत्व करने का समय आ गया है। देश को समझने के लिए विदेशी भाषा पर्याप्त नहीं- शाह ने कहा कि इस देश में अंग्रेजी बोलने वालों को जल्द ही शर्म आएगी। ऐसे समाज का निर्माण दूर नहीं है, केवल दृढ़ निश्चयी लोग ही बदलाव ला सकते हैं। मेरा मानना है कि हमारे देश की भाषाएं हमारी संस्कृति के रत्न हैं। अपनी भाषाओं के बिना हम सच्चे भारतीय नहीं हैं। अपने देश, अपनी संस्कृति, अपने इतिहास और अपने धर्म को समझने के लिए कोई भी विदेशी भाषा पर्याप्त नहीं हो सकती है। प्रधानमंत्री के पंच प्रण- उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के पंच प्रण कै जिक्र किया। विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करना, गुलामी की हर सोच से मुक्ति पाना, विरासत पर गर्व करना, एकता और एकजुटता, प्रत्येक नागरिक में कर्तव्य की भावना जगना। उन्होंने कहा कि ये पांच प्रतिज्ञाएं देश के नागरिकों का संकल्प बन गई हैं। 2047 के विकसित भारत की यात्रा में हमारी भाषाएं प्रमुख भूमिका निभाएंगी। प्रशासनिक प्रशिक्षण मॉडल में सहानुभूति को करना होगा शामिल - गृह मंत्री पूर्व आईएएस आशुतोष अग्निहोत्री की लिखी गई पुस्तक मैं बूंद स्वयं, खुद सागर हूं, के विमोचन में गुरुवार को शामिल हुए। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों के प्रशिक्षण मॉडल में सहानुभूति लाने पर जोर दिया। शाह ने कहा कि यह मॉडल ब्रिटिश काल से प्रेरित है, इसलिए यहां सहानुभूति की कोई जगह नहीं है। मेरा मानना है कि कोई शासक अगर सहानुभूति के बिना शासन करता है, तो वह अपने वास्तविक उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर सकता है।

संक्षिप्त समाचार

पुणे सड़क हादसे पर पीएम मोदी ने जताया शोक; मुंबई लाया गया एअर इंडिया के सह पायलट का पार्थिव शरीर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुणे सड़क हादसे में सात लोगों की मौत पर शोक प्रकट किया है। पीएम मोदी ने पीएमओ के एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में लिखा, %प्रत्येक मृतक के निकटतम परिजन को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) के आधिकारिक एक्स हैंडल पर जारी बयान में पीएम मोदी ने कहा, महाराष्ट्र के पुणे में जेजुरी-मोरगांव रोड पर सड़क दुर्घटना के कारण हुई जानमाल की हानि से गहरा दुख हुआ। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है उनके प्रति संवेदना। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना। एअर इंडिया विमान दुर्घटना में मृत सह-पायलट क्लाइव कुंदर का पार्थिव शरीर घर लाया गया

अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हुए एअर इंडिया के विमान के सह-पायलट प्रथम अधिकारी क्लाइव कुंदर का पार्थिव शरीर गुरुवार सुबह मुंबई में उनके घर लाया गया। एक अधिकारी ने बताया कि सह-पायलट का पार्थिव शरीर विमान से मुंबई हवाई अड्डे पर पहुंचा और उसके बाद उसके परिवार के सदस्य उसे गोरेगांव (पश्चिम) में राम मंदिर रोड स्थित उसके आवास पर ले आए।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद का तीखा हमला, बोले- अब पाकिस्तान की मदद से सत्ता पाने की कोशिश कर रही कांग्रेस

यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि कांग्रेस को देश की जनता पर भरोसा नहीं है। अब कांग्रेस पार्टी पाकिस्तान की मदद से सत्ता पाने का ख्वाब देख रही है।यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस पर तीखा हमला किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब पाकिस्तान की मदद से सत्ता में आने का ख्वाब देख रही है।उन्होंने कहा कि कांग्रेस को देश की जनता पर भरोसा नहीं है। एक्स पर दिए गए अपने बयान में उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब देश की जनता के बजाय %पाकिस्तान के नेताओं% के भरोसे पर ज्यादा निर्भर है। पाकिस्तान के भरोसे कांग्रेस सत्ता पाने का ख्वाब पाल रही है।केशव ने ये टिप्पणी कांग्रेस नेताओं के भारत-पाकिस्तान के संबंधों को लेकर दिए गए बयानों के जवाब में दी।

ईरान-इस्राइल के बीच शांति समझौता करा सकता है रूस, राष्ट्रपति पुतिन ने की मध्यस्थता की पेशकश

सेंट पीट्सबर्ग में आयोजित हुए इंटरनेशनल इकॉनोमिक फोरम से इतर पुतिन ने कहा कि रूस के ईरान के साथ अच्छे संबंध हैं और ईरान के बुशेहर में पहला परमाणु पावर प्लांट लगाने में भी रूस ने मदद की थी। रूस के 200 कर्मचारी बुशेहर में दो अन्य परमाणु प्लांट बनाने में ईरान की मदद कर रहे हैं।रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को पेशकश की कि वे ईरान और इस्राइल के बीच जारी जंग में मध्यस्थता करा सकते हैं। पुतिन ने कहा कि मॉस्को ऐसा समझौता करा सकता है, जिससे ईरान शांतिपूर्ण तरीके से अपना परमाणु कार्यक्रम भी संचालित कर सकेगा और इस्राइल की सुरक्षा संबंधी चिंताओं का भी समाधान हो सकेगा। एक कार्यक्रम में मीडिया से बात करते हुए पुतिन ने कहा

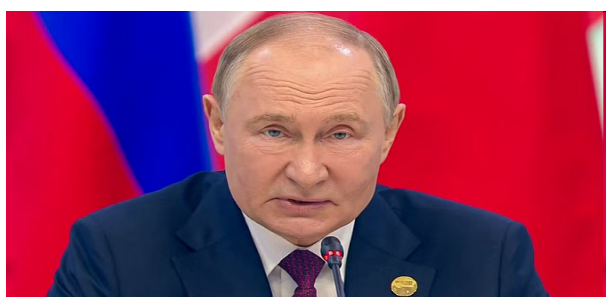

कि %यह एक संवेदनशील मुद्दा है, लेकिन मेरे विचार से इसका समाधान हो सकता है।%रूस ने ईरान-इस्राइल को भेजा मध्यस्थता का प्रस्ताव रूसी राष्ट्रपति ने ये भी बताया कि उन्होंने अपना प्रस्ताव ईरान, इस्राइल और अमेरिका को भेज भी दिया है। उन्होंने कहा कि %हम किसी पर भी कुछ भी नहीं थोप रहे हैं। हम बस बात करना चाहते हैं कि इस हालात में क्या रास्ता हो सकता है। कोई भी फैसला इन देशों के नेतृत्व को ही करना है। रूस के पश्चिम एशियाई देशों के साथ अच्छे संबंध हैं, जो उसे ईरान-इस्राइल के मामले में अच्छा और प्रभावशाली मध्यस्थ बनाते हैं। बीते हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से भी पुतिन ने बात की थी, जिसमें पुतिन ने पश्चिम एशिया में शांति स्थापित करने की पेशकश की थी। हालांकि ट्रंप ने उन्हें पहले रूस-यूक्रेन युद्ध में संघर्ष विराम पर फोकस करने की सलाह दी थी।सेंट पीट्सबर्ग में आयोजित हुए इंटरनेशनल इकॉनोमिक फोरम से इतर पुतिन ने कहा कि रूस के ईरान के साथ अच्छे संबंध हैं और ईरान के बुशेहर में पहला परमाणु पावर प्लांट लगाने में भी रूस ने मदद की थी।

रूस के 200 कर्मचारी बुशेहर में दो अन्य परमाणु प्लांट बनाने में ईरान की मदद कर रहे हैं।अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को सराहा पुतिन ने अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप की तारीफ की और यूक्रेन में शांति कराने के उनके वादे को भी समर्थन दिया। पुतिन ने भी माना कि ट्रंप अगर 2022 में सत्ता होते तो शायद रूस और यूक्रेन का युद्ध हुआ ही नहीं होता। पुतिन ने कहा कि वे युद्धविराम के लिए यूक्रेन से बात करने के लिए तैयार हैं, लेकिन उन्होंने यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की की वैधानिकता पर सवाल उठाए, जिनका कार्यकाल बीते साल ही पूरा हो चुका है।

मनसे कार्यकर्ताओं ने जलाईं हिंदी की किताबें, राज ठाकरे ने सरकार के फैसले पर फिर उठाए सवाल

महाराष्ट्र में केंद्र सरकार के तीन भाषा फार्मूले को लेकर विवाद छिड़ा हुआ है। राज्य की महायुति सरकार ने छात्रों के लिए हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य बनाने की बाध्यता हटा दी है। इसके बाद मनसे प्रमुख राज ठाकरे और कुछ मराठी संगठनों ने सरकार पर हिंदी थोपने का आरोप लगाया है। महाराष्ट्र के स्कूलों में तीसरी भाषा को लेकर छिड़ा विवाद बढ़ रहा है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकर्ताओं ने राज्य में जगह-जगह हिंदी की किताबें जलाईं। वहीं मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने एक बार फिर सरकार के फैसले पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हम स्कूलों में छात्रों को हिंदी नहीं पढ़ाने देंगे। महाराष्ट्र में केंद्र सरकार के तीन भाषा फार्मूले को लेकर विवाद छिड़ा हुआ है। राज्य की महायुति सरकार ने छात्रों के लिए हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य बनाने की बाध्यता हटा दी है। अब प्रदेश के स्कूलों में कोई भी भारतीय भाषा तीसरी भाषा के रूप में चुनी जा सकती है। मनसे प्रमुख राज ठाकरे और कुछ मराठी संगठनों ने सरकार पर हिंदी थोपने का आरोप लगाया है। मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने कहा कि एमपी और यूपी में कौन सी भाषा को तीसरी भाषा के तौर पर पढ़ाएंगे? मराठी राज्य भाषा है, तो यह भाषा क्यों थोप रहे हैं ? यूपी, बिहार और एमपी में तीसरी भाषा क्या मराठी सिखाएंगे? क्या गुजरात में भी तीसरी भाषा के तौर पर हिंदी जरूरी नहीं होगी? राज ठाकरे के बयान के बाद मनसे कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए। कार्यकर्ताओं ने स्कूलों में जाकर प्रधानाध्यापकों को पत्र दिए और हिंदी की किताबें जलाईं। दुकानों से भी हिंदी की किताब खरीद कर जलाई गईं। क्या है महाराष्ट्र सरकार का भाषा को लेकर नया आदेश- इससे पहले बुधवार को महाराष्ट्र सरकार का एक सरकारी आदेश सामने आया। इसके मुताबिक अब राज्य के स्कूलों में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाया जाएगा। यदि कोई छात्र किसी अन्य भाषा को सीखना चाहता है, तो स्कूल को कम से कम 20 इच्छुक छात्रों की आवश्यकता होगी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली तीन दलों की गठबंधन सरकार ने जो नवीनतम गवर्नमेंट रिजोल्यूशन (ज्ञक्र) जारी किया है।इस सरकारी आदेश के मुताबिक राज्य पाठ्यक्रम रूपरेखा स्कूल शिक्षा 2024 के अनुसार, अब से कक्षा 1 से 5 तक मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में तीसरी भाषा के रूप में हिंदी अनिवार्य होगी। अन्य माध्यम के स्कूलों में कक्षा 1 से 5 तक तीन भाषाएं मराठी, अंग्रेजी और हिंदी पढ़ाई जाएगी। कक्षा 6 से 10 के लिए भाषा नीति राज्य पाठ्यक्रम रूपरेखा-स्कूल शिक्षा के अनुसार होगी।

मन्नारा चोपड़ा के पिता की प्रार्थना सभा गुरुद्वारा में आयोजित, परिवार के साथ पहुंचीं अभिनेत्री

अभिनेत्री मन्नारा चोपड़ा के पिता रमन राय हांडा इस दुनिया में नहीं रहे। आज गुरुवार 19 जून को मन्नारा ने उनकी प्रार्थना सभा गुरुद्वारा में रखी।अभिनेत्री मन्नारा चोपड़ा पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। सोमवार 16 जून को अभिनेत्री ने पिता को खो दिया। मन्नारा के पिता व वरिष्ठ वकील रमन राय हांडा के निधन से चोपड़ा परिवार में शोक की लहर है। आज गुरुवार को अभिनेत्री ने गुरुद्वारा में अपने पिता की प्रार्थना सभा आयोजित की। वे अपने परिवार के साथ वहां पहुंचीं। पिता को याद कर वे फूट-फूट कर रोईं।मत्था टेकने गुरुद्वारा पहुंचीं मन्नारा मन्नारा चोपड़ा और उनका परिवार रमन राय हांडा की आत्मा की शांति के लिए गुरुद्वारा में मत्था टेकने पहुंचा। इस दौरान परिणीति चोपड़ा के पिता भी नजर आए। इस दौरान मन्नारा गमगीन नजर आईं। पिता को याद कर वे फूट-फूटकर रोईं। परिवार के लोग और करीबी दोस्त उन्हें सांत्वना देते दिखे।पिता की तस्वीर सीने से चिपकाए पहुंचीं मन्नारा- मन्नारा चोपड़ा भारी बारिश के बीच गुरुद्वारा पहुंची। दिवंगत पिता की तस्वीर हाथों में थामकर वे प्रार्थना सभा में पहुंचीं। पिता को खोने का दर्द उनके चेहरे पर साफ नजर आया। मन्नारा के इस मुश्किल वक्त में करणवीर मेहता, सिंगर खानजादी, कॉमेडियन सुदेश लहरी सहित इंडस्ट्री के भी कुछ लोग भी उन्हें सांत्वना देने पहुंचे। प्रियंका और परिणीति की कजिन हैं मन्नारा- बता दें कि मन्नारा बॉलीवुड की अदाकारा प्रियंका चोपड़ा और परिणीति चोपड़ा की कजिन हैं। रमन राय हांडा प्रियंका और परिणीति के फूफाजी थे। दुख की इस घड़ी में नेटिजन्स मन्नारा को सांत्वना दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, %ईश्वर मन्नारा को यह दुख सहने की शक्ति देना%। बता दें कि रमन राय हांडा 72 वर्ष के थे। वे पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे।

संपादकीय Editorial

Caste census, notification issued after waiting

Undoubtedly, after about a century, the caste census will reveal the truth of all the known and unknown aspects of Indian society, some myths will be broken and created and it will help in giving a solid direction to the policies of social and economic development, but it is not the key to the solution of all the problems. Just like reservation does not solve all the problems. The notification for the census was being awaited. More so, because on one hand it could not be started on time due to the Covid pandemic and other reasons and then some time ago the government suddenly decided to conduct the caste census. Caste census is going to be conducted for the first time after independence. By deciding to conduct the caste census, the Modi government not only snatched an issue from the opposition and especially the Congress, but also decided to bring out the real picture of Indian society. Since the basis of many policies is what is the social, economic status of which class, therefore, in principle, it was appropriate and necessary to conduct caste census. After all, it was being done for the SC-ST community. Now it will be done for OBC along with other classes. It should not be overlooked that the data of the 1931 caste census or estimates were being used. After independence, caste census was avoided for some reason and perhaps due to the fear of caste politics getting strengthened. This fear cannot be dismissed outright. Even today, some people are expressing the fear that the caste census data may make the work of those political parties easier, which do politics of a particular caste. Caste politics that divides the society in the name of social justice should not be allowed.

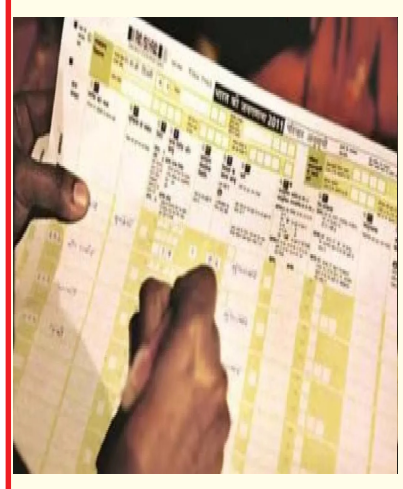

While the government should try to remove this fear by conducting a census of the world's largest population, the Congress, which is raising objections on the census notification, should explain why it did not conduct such a census during its long rule? The Congress says that the Modi government is not going to do any new or unique work by issuing the census notification. If this is so, then it should tell what unique work it did through the census? Congress, which rejected the need for caste census during its tenure and then suddenly became its biggest supporter, is pretending that caste census is the only solution to all the problems of the country. Undoubtedly, after about a century, caste census will reveal the truth of all the known and unknown aspects of Indian society, some myths will be broken and created and it will help in giving a concrete direction to the policies of social and economic development, but it is not the key to the solution of all the problems. Just like reservation does not solve all the problems. Since the census to be held in 2021 is going to happen now, the next census is unlikely to be held in 2031. Whatever happens, the census data will also become the basis for implementing women reservation along with delimitation.

Religious places away from meat and alcohol

If the question is related to the sanctity of religious tourism, then the demarcation of the Jwalaji temple complex should also be done under a special kind of culture. Some Hindu organizations have started a campaign to remove meat, fish and alcohol shops from the periphery of Jwalaji city. Why such a struggle was needed can be seen from different scales. Firstly, the effort of Hindu organizations to change the character of Himachal on the map is helping a special political struggle. Secondly, the society is getting ready for the real dignity of Devbhoomi. In different parts of the country, religious tourism has been linked with the norms of satvik conduct. It has been developed, encouraged, protected and kept safe as a model. On the journey from Katra of neighboring Jammu and Kashmir to Vaishno Devi, religious tourism was not only saved from becoming chaotic, but it was also ensured that the atmosphere there remains satvik. The religious cities of South India, Rajasthan, Gujarat and many other states are behaving in the framework of such an environment. The meaning of tourism in Himachal was understood only in the subtle sense of pleasure and luxury, so a strange atmosphere developed in Chintapurni, Jwalaji, Naina Devi or other places. Is the worship method of the Jwalamukhi temple or the history related to it addressed to the devotees every day? Some customs are related to the circumambulation of every temple, but in our plans, the chanting of the worship methods could not keep the Dev tradition in the right perspective. Which temple administration made efforts to fill the worship panels, distribution of prasad, temple traditions and religious tourism with vigor. During the time of former Governor Vishnukant Shastri, there was a discussion on the purification and prevalence of chanting in the temples of Himachal, but now the same old pattern has returned. Worship is just a quick darshan, whereas its philosophy should include the outline of the way of life and the welfare of the present world. Once in the Chamunda temple complex, the havan kunds of world welfare used to chant mantras loudly, now selfie stands are decorated in the VIP chanting room. Instead of ignoring the campaign of Hindu organizations on the difference between tourism and religious tourism, we will have to work on a new map. We neither created circles for religious tourism nor presented it in the form of sanctity. In fact, to ensure community participation in the development of temples other than Chamunda, Kangra, Jwalaji, Chintpurni, Balaji Sundari, Deotsidh, Naina Devi, these will have to be developed in the tradition of religious towns. By developing the perimeter of religious towns within a radius of five to ten kilometers from today itself, an example will have to be set by establishing an independent and sacred system. For example, if Shahtalai and the nearby villages are merged with Deotsidh, then religious economy will spread through religious faith. All these goddesses and religious places are still creating economic employment in these towns, so now in the perimeter of systematic development, future infrastructure, citizen cooperation and religious conduct will have to be made completely satvik by removing the sale of meat, fish and liquor from the settlement. On the other hand, in the tradition of temple feast or Devi Bhog, there should also be a provision that advance order for receiving such prasad should also be available to devotees on economic tickets. The experience of visiting Jwalaji temple should be different from McLeodganj but in the form of purity. These religious cities should be promoted as a confluence of Himachali arts and should be equipped with modern auditoriums. , ponds, lakes, large grounds and parks to immerse them with special cultural programs, cultural evenings, folk theater and devotional music.

The enemy is not entitled to rummy, it is necessary to punish him

It is not that whenever we have used our natural strategic intelligence, we have not benefitted from it, but we do not learn from the past experiences or do not remember them. In 1965, Pakistan tried to capture Kashmir by sending infiltrators. It believed that we will fight a defensive war in Kashmir only, but General Harbakhsh Singh reached Lahore with his army. Operation Rising Lion, Israel's military action against Iran, reminded us of Operation Sindoor. India's operation is suspended, Israel's is continuing. Discussions are also going on about a ceasefire in the military conflict that lasted less than a hundred hours between India and Pakistan. Under Operation Sindoor, in its first attack on the night of May 6, our Air Force targeted many places in Pakistan, including nine major terrorist bases, in which dozens of Jihadis were killed. In response to Pakistan's indiscriminate but futile missile and drone attacks, India destroyed its 11 airbases and air defense system located in Lahore and Sialkot and destroyed many of its fighter planes. Under Operation Sindoor, it was decided that we would target only terrorist hideouts and that too cautiously and responsibly, without targeting their army, so that the matter does not escalate. What does this say about our state of mind and what message do we send to the enemy through this? Were we under the illusion that Pakistan would understand our good intentions? Did we not know that no matter how much we restrained our hands, it would retaliate? Did we think that if we did not provoke their army, they would also not target our army? When we attacked Balakot, the Pakistani air defense system was not worth showing its face. This time the enemy knew that now there was no compulsion for India to enter inside its borders.

Our forces are capable of targeting hideouts from hundreds of kilometers away. We also knew that Pakistan had acquired such a capability that it could become a challenge for us. The unanimous rule of war is - first of all blunt the enemy's defense and counter-attack system. Israel did the same and killed many Iranian generals in the first attack, but perhaps we did not consider it necessary to follow this universally accepted rule. When the Pakistani army attacked Kashmir in the guise of tribals in 1947, Nehru ji tied the hands of the army to not give it much importance and to appear responsible. The army was not allowed to take any action at those places across the border from where Pakistan was sending logistics, ammunition, soldiers and instructions. In that war that lasted for about 15 months, we not only lost brave soldiers, but also lost land by declaring a premature ceasefire. In 1962 too, Nehru ji did not use the Air Force for defense with the intention of not giving much importance to the Chinese attack. This was a big reason why India lost a large number of soldiers, lost land and lost its confidence. Even in the Kargil war of 1999, Atal ji's government turned the Line of Control into Laxman Rekha for the army. The Air Force planes not only had to fly in a very narrow corridor, but were also prohibited from attacking across the border where the enemy would suffer heavy losses. This prolonged the conflict and the number of martyred soldiers increased. It is not that whenever we used a natural strategic intelligence, we did not benefit from it, but we do not learn from past experiences or do not remember them. In 1965, Pakistan tried to capture Kashmir by sending infiltrators. It believed that we would fight a defensive war in Kashmir only, but General Harbakhsh Singh reached Lahore with the army. Pakistan was brought to its senses in just 17 days and a ceasefire was declared. In 1965, to take advantage of the Pakistani attack, when China threatened us to vacate Nathu La and Jelep La in Sikkim, both the battalions deployed there were ordered to return. The order was followed in Jelep La, but the valiant General Sagat Singh refused to leave the Nathu La front. Later, in the 1967 clash, he dealt such a blow to China that all its 1962 hangover vanished. Jelep La is still under Chinese occupation, but the tricolour is still flying at Nathu La. In 1971 also, General Sagat Singh was ordered to enter East Pakistan from Tripura, but not to cross the Meghna river. Seeing the situation, he crossed the wide river and his corps was the first to reach Dhaka. He played a major role in forcing Pakistan's 93,000 armed soldiers to surrender in 13 days by rubbing their nose into the ground. Had the mentality of letting things escalate dominated, would we have got such results? On May 6, when we flew our brave soldiers in the sky without targeting the enemy's air force and put them at risk, why did we forget that the motto of the Pakistani army is 'Taqwa Iman Jihad Fi Sabilillah'. This is the source of that jihad, which we had set out to punish, but we decided that we will not take any action against the jihadi army and will punish the enemy in a limited and correct proportion. We decided this for the enemy who fired drones and missiles on our Gurudwara, temple, Christian school as well as unarmed civilians. After all, what was the need to show so much generosity and leniency towards such an enemy and that too by taking so many risks? Even after all this, our brave soldiers threw themselves into the fight without fear or hesitation. Salute to their courage. After May 6, when Pakistan kept boasting nonsense, we gave it an opportunity to create a false narrative. That absurd narrative was again proved wrong. This could have been brought under control if our army had got 48 to 72 hours more to grab the enemy. Then we would not have to work hard to prove our claims right nor would we have to send delegations to many countries. Did the sudden postponement of Operation Sindoor let go of a great opportunity earned through bravery? This has to be considered because this is not the first time this has happened.

यूपी में दूल्हे का कत्ल- दुल्हन गुलफशां और गांव के अनीस की क्या है भूमिका? सीडीआर के साथ सीसीटीवी भी खंगाले

रामपुर के निहाल हत्याकांड में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। पुलिस बेहद ही सतर्कता से मामले की जांच कर रही है। अब इस मामले में नामजद गुलफशां और गांव के ही अनीस की भूमिका की जांच में जुट गई है। रामपुर के गंज थाना क्षेत्र के गूजर टोला निवासी निहाल की हत्या के मामले में दो लोगों को जेल भेजने के बाद पुलिस ने इस मामले में आरोपी बनाई गई उसकी मंगेतर गुलफशां और गांव के ही अनीस की भूमिका की जांच तेज कर दी है। पुलिस इस प्रकरण में बेहद ही सतर्कता से जांच कर रही है। एसपी का कहना है कि अभी तक दोनों की भूमिका इस प्रकरण में नहीं मिली है। विवेचना अभी जारी है। गंज थाना क्षेत्र के फकीरों वाला फाटक निवासी निहाल की 15 जून को भोट थाना क्षेत्र के धनुपुरा गांव निवासी आशक अली की बेटी गुलफशां से होनी थी। शादी से एक दिन पहले यानि 14 जून को वैवाहिक कार्यक्रम के बीच एक फोन कॉल निहाल के पास आया था,जिसमें फोन करने वाले ने खुद को दुल्हन का चाचा भाई बताते हुए कपड़े का नाप दिलाने के लिए बाजार चलने को कहा था।इसके बाद निहाल दो युवकों की बाइक पर बैठकर चला गया था, लेकिन इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने इस मामले में पहले एक आरोपी को पकड़ते हुए उसकी निशानदेही पर निहाल का शव अजीमगर से बरामद कर लिया। निहाल का शव मिलने के बाद उसके परिजन सदमे में आ गए।दुल्हन गुलफशां पर हत्या की साजिश रचने का आरोप निहाल के भाई नायब की ओर से गंज थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई, जिसमें निहाल की होने वाली दुल्हन गुलफशां पर हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया। उनका कहना था कि गुलफशां के इशारे पर उसके प्रेमी सद्दाम ने अपने दो साथियों साथ मिलकर हत्या की वारदात को अंजाम दिया है।पुलिस ने गुलफशां समेत चार लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया और फिर मामले की विवेचना शुरू कर दी। इस प्रकरण में पुलिस अब तक घटना के मुख्य आरोपी सद्दाम और उसके साथी फरमान को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। अब इस मामले में नामजद गुलफशां और गांव के ही अनीस की भूमिका की जांच में जुट गई है।पुलिस ने गुलफशां और सद्दाम की कॉल डिटेल को खंगालना शुरू कर दिया है।

रेलवे ट्रैक पर कटे मिले युवक-युवती के शव, गांव से तीन किमी दूर घटना, परिवार का प्रेम संबंध से इनकार

बिलारी में रेलवे ट्रैक पर युवक-युवती के कटे शव मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। गांव के लोग दोनों के बीच प्रेम संबंध होने की बात कर रहे हैं। पुलिस पूरे प्रकरण की जांच कर रही है। बिलारी क्षेत्र में बृहस्पतिवार सुबह सनसनीखेज घटना सामने आई। बिलारी-चंदौसी रेलवे लाइन पर स्थित कुआं खेड़ा हाल्ट के पास युवक और युवती के ट्रेन से कटे शव मिलने से सनसनी फैल गई। भोला उर्फ सुशांत (19) पुत्र राजपाल सिंह और युवती आशी (17) पुत्री मित्र पाल दोनों सैफपुर जगना गांव के निवासी थे।भोला गांव में रहकर खेती

करने के साथ ट्रैक्टर भी चलाता था। आशी ने हाल ही में इंटर की परीक्षा पास की थी। इसके बाद वह घर पर ही परचून की दुकान चलाती थी। बताया जा रहा है कि बुधवार रात करीब 11 बजे आशी शौचालय जाने के बात कहकर घर के पिछले दरवाजे से निकल गई।परिजनों को रात में उसकी भनक नहीं लगी। तड़के करीब साढ़े तीन बजे जलगांव चौकी पुलिस ने गांव के प्रधान नवल मीणा को दोनों शवों की जानकारी दी। इसके बाद सूचना कोटेदार जसवंत और फिर मृतकों के परिजनों तक पहुंची। सुबह करीब साढ़े चार बजे दोनों परिवार के लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस ने सुबह छह बजे दोनों शवों का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घटना स्थल गांव से करीब तीन किलोमीटर दूर है। दोनों के घरों की आपसी दूरी महज सौ मीटर है। ग्रामीणों में चर्चा है कि दोनों के बीच कुछ समय से प्रेम संबंध थे। हालांकि परिजनों ने इस बात से इनकार किया है। दोनों के आत्मघाती कदम उठाने के पीछे की वजह अब तक स्पष्ट नहीं हो सकी है। आशी के पिता मित्र पाल राजगिरी करते हैं और भाई अभिषेक एक निजी अस्पताल में कार्यरत है। भोला के परिवार में पिता राजपाल सिंह, माता विजयवती और तीन भाई-बहन हैं। बड़ा भाई संजीव फौज में है, दूसरा भाई धीरज मुरादाबाद में काम करता है और तीसरा भाई सेटी उर्फ नवनीत गांव में खेती करता है। बहन शिवानी (24) अभी अविवाहित है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। यह पता लगाने की कोशिश कर रही है यह आत्महत्या थी या इसके पीछे कोई और वजह है।

नाले में डुबोकर फर्मकर्मी की हत्या, छह माह बाद बहन के देवर पर केस, पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने खोली पोल

फर्मकर्मी मंजू की हत्या के मामले में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। पिता की तहरीर पर बहन के देवर के खिलाफ छह माह बाद नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर ही है।कटघर थानाक्षेत्र में फर्मकर्मी की नाले में डुबोकर हत्या कर दी गई। इस मामले में पुलिस ने छह माह बाद पिता की तहरीर पर बहन के देवर पर केस दर्ज किया गया है। बिलारी के दोहरी गांव निवासी तेजभान सिंह उर्फ कल्लू ने रामपुर के पटवाई थानाक्षेत्र के जोलपुर निवासी तेज रतन के खिलाफ केस दर्ज कराया है।जिसमें उन्होंने बताया कि उनका बेटा मंजू (27) अपनी पत्नी शीतल के साथ पंडित नगला में किराये के मकान में रहता था। वह यहां रहकर फर्म में काम करता था। एक जनवरी 2025 की शाम करीब साढ़े चार बजे मंजू की लाश पंडित नगला में नाले में पड़ी मिली था।तेजभान सिंह ने बताया कि मेरी बेटी राजबाला का देवर तेज रतन मंजू से रंजिश रखता था। उसने ही नाले में डुबोकर मेरे बेटे की हत्या कर दी थी। इसके बाद आरोपी मौके से भाग गया था। इस मामले की शिकायत कटघर थाने में की गई थी लेकिन पुलिस ने केस दर्ज नहीं किया। इसके बाद पीड़ित ने एसएसपी से पूरे मामले की शिकायत की और प्रार्थनापत्र देकर कार्रवाई की मांग की। तब एसएसपी के आदेश पर कटघर थाने में आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया गया। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डूबने से मौत होने की पुष्टि हुई थी। अब पिता ने हत्या के मामले में केस दर्ज कराया है। विवेचना में जो भी तथ्य सामने आएंगे। उसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। विवाहिता की मौत के मामले में पति गिरफ्तार- कांठ में दहेज हत्या के आरोपी पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। उत्तराखंड के नैनीताल जिले के हल्द्वानी स्थित इंदिरा नगर मोहम्मदी चौक निवासी जियाउद्दीन कुरैशी ने तीन साल पहले अपनी बेटी सना उर्फ नेहा कुरैशी की शादी कांठ थाना क्षेत्र के गांव गढ़ी निवासी मोहम्मद खालिद से की थी। आरोप है कि खालिद और उसके परिवार के सदस्य सना को दहेज के लिए परेशान करते थे। इससे पहले भी उसे गला घोंटकर जान से मारने की कोशिश की गई थी। 27 मई को दोपहर में खालिद की मां नूरजहां का जियाउद्दीन कुरैशी को फोन आया कि वह जल्दी गढ़ी आकर मिलें। जब वह परिजनों के साथ पहुंचे तो देखा कि सना मृत अवस्था में पड़ी थी। उसके गले पर रस्सी के गहरे निशान थे। इस मामले में 30 मई को मोहम्मद खालिद, साजिद, राजदा, डॉ. जाहिद, शबाना, मुशाहिद और रिहाना के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई थी। बुधवार को कांठ पुलिस ने मृतका के पति मोहम्मद खालिद को गिरफ्तार कर लिया। उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

तांत्रिक के सोने तक खेत में इंतजार, बाइक 600 मीटर पहले की खड़ी, फिर छुरे से रेत डाली गर्दन... दो गिरफ्तार

तांत्रिक गुलाब सिंह हत्याकांड के दो और आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में उन्होंने बताया कि वह उसे मारने के लिए लंबे समय से प्लान बना रहे थे। दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। कुंदरकी पुलिस ने तांत्रिक गुलाब सिंह की रंजिशन गला रेतकर नृशंस हत्या में वांछित गांव संदलपुर निवासी कुलदीप और विनोद को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस पहले ही हत्यारोपी संजीव को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। थाना प्रभारी प्रदीप सहरावत के अनुसार, हत्यारोपी कुलदीप और विनोद ने पूछताछ में बताया कि वे जेल में बंद संजीव के दोस्त हैं और पिकअप चलाते हैं। गुलाब सिंह, जो झाड़-फूंक और तंत्र क्रिया का

काम करता था, ने संजीव की बीमार बहन कामिनी का इलाज किया था। लेकिन तंत्र क्रिया के बाद कामिनी की तबीयत और बिगड़ गई, और जुलाई में उसकी मृत्यु हो गई। कुछ दिन बाद संजीव के पिता भी बीमार हो गए थे।जिससे परिवार को शक हुआ कि गुलाब सिंह ने तंत्र विद्या का उपयोग कर उनके घर पर कुछ किया है, और इसी कारण उनकी बहन की मौत हुई है। इस रंजिश में गुलाब सिंह की हत्या करने की योजना बनाई गई। शनिवार की रात, तीनों दोस्त हरियाना गांव पहुंचे और तांत्रिक के सोने तक खेत में ही इंतजार करते रहे।उन्होंने अपनी बाइक 600 मीटर पहले खेत की दिशा में छिपाकर खड़ी की थी। करीब तीन बजे जब गुलाब सिंह मच्छरदानी लगाकर सो गए थे, संजीव ने मच्छरदानी हटाकर तांत्रिक की गर्दन पर छुरे से वार किया। गुलाब सिंह जोर से चिल्लाया और अपनी जान बचाने के लिए संजीव से लिपट गया।इस दौरान कुलदीप और विनोद ने उसे पकड़ लिया और संजीव ने ताबड़तोड़ वार कर हत्या कर दी। इसी बीच, गुलाब सिंह की पत्नी जाग गई और शोर मचाया, जिसके बाद तीनों हत्यारोपी खेतों की दिशा में अलग-अलग भाग गए। बुधवार को पुलिस ने दोनों हत्यारोपियों का चालान कर जेल भेज दिया है।

पलटी डग्गामार बस बालक की मौत, 12 सवारी घायल

ग्रामीणों मे डग्गामार वाहनों व परिवहन विभाग के खिलाफ आक्रोश

ठाकुरद्वारा- ठाकुरद्वारा-मुरादाबाद हाईवे पर बस को एक-दूसरे से आगे निकालने की होड़ में हुई दुर्घटना में 12 वर्षीय बालक की मौत हो गई। मृतक की मां भी गंभीर रूप से घायल हो गई। वहीं करीब एक दर्जन सवारी गंभीर रूप से घायल हो लड़ रहे हैं। दुर्घटना की सूचना पर पुलिस ग्रामीणों के सहयोग से घायलों को निकाल चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद घायलों ठाकुरद्वारा से दोनों डग्गामार बसें सवारी बैठा लेकर दोनों बस चालकों में होड़ हो गई। जैसे ही एक बस आजाद नगर गांव के निकट गोते लेकर पलट गई। बस में बैठे यात्री सीधा करने का प्रयास किया लेकिन बस टस भरतावाला निवासी दीपांशु(12) पुत्र जोगेंद्र गंभीर घायल हो गए। जिनमें से दो को हायर जा रहा है। सूचना पर पुलिस व दमकल जसपाल सिंह ग्वाल ने जेसीबी से दुर्घटनाग्रस्त

गए। घायल अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच जंग प्रशासन व फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची। कर उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। को हेल्प सेंटर रेफर कर दिया। बुधवार सुबह 8:30 कर मुरादाबाद के लिए चली। रास्ते की सवारी बैठाने को चालकों ने बसों को तेज गति में दौड़ना शुरू कर दिया पहुंची पहिया गड्ढे में जाकर बस एक के बाद एक कई चीख पुकार मचाने लगे। आसपास के लोगों ने बस को से मस नहीं हुई। दुर्घटना में कोतवाली क्षेत्र के ग्राम की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। एक दर्जन यात्री सेंटर रेफर कर दिया है। शेष घायलों का उपचार किया विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंची। कोतवाली प्रभारी बस को हटवा कर यातायात को सुचारू कराते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। तहसीलदार प्रवीण कुमार मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायज़ा लिया। तहसीलदार ने बताया कि घटना की जांच रिपोर्ट बनाकर परिवहन विभाग व उच्चाधिकारियों को डग्गामार वाहनों की लापरवाही के संबंध में अवगत कराया जाएगा। मां के साथ मौसी से मिलकर घर लौट रहा था दीपांशु कोतवाली क्षेत्र के गांव भरत वाला निवासी जोगेंद्र सिंह की पत्नी मुनेश देवी बेटे दीपांशु को साथ लेकर एक दिन पहले उत्तराखंड की कोतवाली काशीपुर के थाना कुंडा के गांव हरिया वाला के निकट स्थित गांव कुदय्यो वाला में बहन से मिलने गई थी। मां-बेटे मुरादाबाद ठाकुरद्वारा काशीपुर से चलने वाली प्राइवेट बस से गांव लौट रहे थे । गांव से करीब 3 किलोमीटर पहले ही बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बेटे की मौत के बाद पिता जोगेंद्र सिंह व परिजनों का बुरा हाल है। चाचा राजेंद्र सिंह ने पुलिस को तहरीर दी। सूचना पर नेता ठाकुर अजय प्रताप सिंह ने परिजनों को सांत्वना दी। ये हुए घायल- बस में सवार ममता देवी निवासी सरकडा करीम ठाकुरद्वारा, उदल सिंह उस्मानपुर निवासी, चंद्रप्रकाश निवासी हसूपुरा जहांगीरपुर थाना डिलारी, खेम सिंह निवासी ग्राम हसपुरा थाना डिलारी, सोहेब निवासी ग्राम अब्दुल्लापुर लेद थाना ठाकुरद्वारा सहित एक दर्जन लोग घायल हो गए। घायलों का उपचार किया जा रहा है । ग्रामीणों में डग्गामार वाहनों के खिलाफ आक्रोश ग्रामीणों में डग्गामार वाहनों व परिवहन विभाग के खिलाफ़ भारी आक्रोश है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नियम कानून ताक पर रख इन बसों का संचालन हो रहा है जिसकी घोर लापरवाही की वजह से आए दिन लोग हादसे का शिकार होते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि ज्यादा सवारी भरने के चक्कर में डग्गामार बस चालक गाड़ी को एक दूसरे से आगे निकालने की होड़ मे इस कदर अंधे हो चुके थे कि दुर्घटनाग्रस्त बस ने अनियंत्रित होकर रोड पर कई पलटे लिए।

संक्षिप्त समाचार

पहले महिला से 1.14 करोड़ की ठगी, फिर सामूहिक दुष्कर्म, शिकायत सुनकर पुलिस भी रह गई हैरान

ठाकुरद्वारा- फाइनेंस कंपनी में कार्यरत महिला को मुनाफे का झांसा देकर सहकर्मियों ने भारी रकम हड़प ली। इसके बाद आरोपियों ने रकम लौटाने का बहाने महिला को एक मकान में बुलाया। आरोप है कि पीड़िता के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मझोला थाना क्षेत्र में निजी फाइनेंस कंपनी में काम करने वाली महिला को अधिक मुनाफा कराने का झांसा देकर सहकर्मियों ने 1.14 करोड़ रुपये हड़प लिए। इसके बाद आरोपियों ने महिला को न मुनाफा दिया और न ही रकम लौटाई। पीड़िता ने रकम के लिए दबाव बनाया तो आरोपियों ने उसे एक मकान में रकम वापस करने का झांसा देकर बुला लिया।जहां कोल्डड्रिंक पिलाकर उससे दुष्कर्म किया। पुलिस ने इस मामले में तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पीड़ित महिला मझोला थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी की रहने वाली है। उसने दर्ज कराए केस में बताया कि वह एक निजी फाइनेंस कंपनी में काम करती है।इस कंपनी में ठाकुरद्वारा के बड़ा बाजार निवासी रोहित सैनी, तरुण और डिलारी अब्दुल्लापुर पूर्वी निवासी सुमित कुमार भी काम करते हैं। आरोपी रोहित ने महिला को झांसा दिया कि वह कंपनी में रकम लगा दें। इसमें उसे बड़ा मुनाफा होगा। इसके बाद पीड़िता ने अपनी, रिश्तेदारों और परिचितों की रकम कंपनी में लगा दी। पीड़िता का कहना है कि वह रोहित और उसके साथियों को करीब 1.14 करोड़ दे चुकी है। रकम लेने के बाद आरोपियों ने पीड़िता को न तो मुनाफा दिया और न ही उसकी मूल रकम वापस की। पीड़िता ने आरोपी पर रकम देने के लिए दबाव बनाया तो आरोपी टालमटोल करने लगा। पीड़िता का कहना है कि एक दिन आरोपी ने उसे रकम वापस देने के बहाने एक मकान में बुला लिया। यहां आरोपी ने उसे कोल्डड्रिंक पिला दी। जिससे बाद वह बेहोश हो गई। इसके बाद तीनों आरोपियों ने उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने होश में आने पर विरोध किया तो आरोपियों ने उसे धमकी देकर भगा दिया। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया गया है। विवेचना में जो भी तथ्य सामने आएंगे। उसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में विकास एवं राजस्व कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न।

जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह की अध्यक्षता में विकास भवन स्थित बापू सभागार में सीएम डैशबोर्ड के अनुसार विकास कार्यों एवं राजस्व कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। इस दौरान जिलाधिकारी ने खाद्य सुरक्षा, बाट माप, पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना, छात्रवृति योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, विद्युत, स्वास्थ्य, दिव्यांग पेंशन, जल जीवन मिशन ग्रामीण, फैमिली आईडी, ऑपरेशन कायाकल्प, निराश्रित गौवंश संरक्षण, कौशल विकास मिशन, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के बारे में संबंधित अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा की और योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति में सुधार लाने के लिए जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि हानिकारक मिलावटी खाद्य पदार्थों पर सख्त कार्यवाही हो इसके लिए नियमित तौर पर नमूने संगृहीत करने और अधोमानक नमूनों के संबंध में कठोरतम कार्यवाही होनी चाहिए। मंडी सचिव को मंडी परिसर में नियमित तौर पर साफ सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराने एवं बारिश के दौरान जल भराव की समस्या के समाधान को लेकर प्रभावी कदम उठाने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने मंडी सचिव से कहा कि आगामी आकस्मिक निरीक्षण के दौरान मंडी परिसर में गंदगी नहीं मिलनी चाहिए। जिलाधिकारी ने कहा कि ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त होने वाले आवेदनों का समय से निस्तारण कराएं साथ ही घटतौली के मामलों में नियमानुसार कार्यवाही करें। छात्रवृत्ति योजना के तहत विभिन्न वर्गों के छात्र छात्राओं को प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्ति के लिए आवेदन प्रक्रिया को नियमानुसार संपादित कराने के लिए जिलाधिकारी ने जिला समाज कल्याण अधिकारी को विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के साथ बैठक आयोजित कराने के लिए निर्देशित किया

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

श्रावण मास , मोहर्रम एवं संभावित चुनावों को लेकर एसएसपी ने की बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच- पं सत्यमशर्मा

बरेली – पुलिस लाइन सभागार में एसएसपी अनुराग आर्य ने जिले के समस्त थाना प्रभारियों और अफसरों के साथ अपराध समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने साफ कर दिया कि आने वाले दिनों में कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैठक में एसपी सिटी मानुष पारीक, एएसपी नॉर्थ मुकेश चंद्र मिश्र, एसपी साउथ अंशिका वर्मा और एसपी ट्रैफिक अकमल खान के अलावा सभी सीओ और थाना प्रभारी मौजूद रहे। एसएसपी अनुराग आर्य ने मोहर्रम, श्रावण और चुनावों को ध्यान में रखते हुए तैयारियों की एक-एक बिंदु पर समीक्षा की और अफसरों को फील्ड में ज्यादा सक्रिय रहने के निर्देश दिए। एसएसपी ने कहा कि मोहर्रम के जुलूस, ताजिया रूट और धार्मिक स्थलों की पहले से भौतिक जांच होनी चाहिए। जिन इलाकों में तनाव की संभावना है वहां पुलिस बल पहले से तैनात रहे। ड्रोन से निगरानी और सीसीटीवी कैमरों से लगातार नजर रखने की बात भी कही गई। श्रावण मास में कांवड़ यात्रा, शिव मंदिरों और गांव-गांव से निकलने वाले जत्थों के रूट को लेकर विशेष प्लान बनाने के निर्देश दिए गए। नाथ नगरी की परिक्रमा, डीजे पर नियंत्रण और धर्मगुरुओं से सामंजस्य बनाने की जिम्मेदारी भी थानों को सौंपी गई। एसएसपी ने कहा कि संभावित चुनावों को देखते हुए सभी अफसर अपने-अपने इलाके के संवेदनशील बूथों की लिस्ट तैयार करें और वहां सुरक्षा की पूरी तैयारी रखें। साथ ही पुराने अपराधियों और असामाजिक तत्वों पर नजर रखी जाए, ताकि चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न हो सकें। बैठक में एसएसपी ने जिले में चल रहे बड़े अपराधों की जांच प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि हत्या, लूट, डकैती और महिला अपराध जैसे मामलों में कार्रवाई में कोई ढिलाई नहीं चलेगी। थाने में लंबित मामलों को प्राथमिकता से निपटाया जाए और दोषियों की जल्द गिरफ्तारी की जाए। एसएसपी ने सभी थाना प्रभारियों को हिदायत दी कि गैंगस्टर और निरोधात्मक कार्रवाई में तेजी लाएं। इसके अलावा कोर्ट में लंबित मामलों की मजबूत पैरवी हो और गवाहों की समय से पेशी कराई जाए। जनता से संवाद और उनकी समस्याओं के निस्तारण को लेकर एसएसपी ने कहा कि थानों पर नियमित रूप से जनसुनवाई हो। सोशल मीडिया पर फैलने वाली झूठी खबरों और अफवाहों पर पैनी नजर रखी जाए और तुरंत एक्शन लिया जाए। एसएसपी ने सभी अफसरों से कहा कि पुलिस की छवि जनता की नजरों में तभी बनेगी जब हर थाना प्रभारी अपने क्षेत्र में पूरी जिम्मेदारी से काम करे। त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखें, यह सुनिश्चित करना हम सभी की जिम्मेदारी रहेगी ।

सेमिनार:मौजूदा वक़्त और बेटियों के बहकते कदम हम भी कुछ अपनी ज़िमेदारी निभाएं,अपनी बहन बेटियों के ईमान बचाएं।

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली, तहरीक-ए-तहफ़्फ़ुज़-ए-सुन्नियत (टी.टी.एस) की ओर से एक सेमिनार कंगी टोला में दरगाह-ए-आला हज़रत के सज्जादानशीन मुफ्ती मोहम्मद अहसन रज़ा खां क़ादरी(अहसन मियां) की सरपरस्ती में सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसका विषय था मौजूदा दौर और बेटियों के बहकते कदम। इस सेमिनार का मक़सद वक्त की नज़ाकत और आज के समाजी हालात को देखते हुए ख़ास तौर पर अपनी बहन-बेटियों के ईमान की हिफ़ाज़त करना है। यहां से इसको लेकर मुहिम भी शुरू की गई जिसका नारा है- हम भी कुछ अपनी ज़िम्मेदारी निभाएं,अपनी बहन बेटियों के ईमान बचाएं। सेमिनार का आगाज़ तिलावत ए कुरान से मौलाना बिलाल रज़ा ने किया। इसके बाद सेमिनार के आयोजक टीटीएस के वरिष्ठ सदस्य परवेज़ खान नूरी ने कहा कि एक साजिश के तहत हमारी बहन बेटियों को बहकाकर उनका जबरन धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है। हमने अपनी बेटियों को बचाने के लिए मुहिम शुरू कर दी है। मुहल्ले-मुहल्ले जाकर अवाम को जागरूक करने का काम टीटीएस के ज़िम्मेदार करेंगे। मंथन करेंगे कि कैसे हम अपनी बच्चियों को गैरों के चंगुल से बचाए। साथ ही कोई भी काम संवैधानिक दायरे में रह कर ही करे। कानून अपने हाथ में न ले। कही गलत हो रहा है तो प्रशासन को इत्तिला करे। दरगाह के नासिर कुरैशी ने संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपनी बच्चियों को तालीम(शिक्षा) के साथ अच्छी तरबियत(संस्कार) देने की ज़रूरत है। बच्चियों की समय समय पर काउंसलिंग करे। उनको अच्छे बुरे की पहचान बताए। ताकि वो नादानी में जो कदम उठा रही है उससे बचें। डॉक्टर अब्दुल माजिद खान ने कहा कि हमारे समाज में दहेज़ जैसी सामाजिक बुराई की वजह से भी लड़कियां गलत कदम उठा रही है। इसलिए दहेज़ हटाए और बेटी बचाएं। आज का नौजवान दहेज़ रहित शादियां करें। वहीं टीटीएस के वरिष्ठ सदस्य शाहिद नूरी व अजमल नूरी ने कहा कि हमें अपने स्कूल कॉलेज खोलने की बेहद ज़रूरत है। सोशल मीडिया के इस दौर में बच्चियों पर पैनी निगाह रखी जाए। टीटीएस के मंज़ूर रज़ा खान व नफीस खान ने कहा कि निकाह को आसान कर ही बेटियों को बचाया जा सकता है। संचालन करते हुए इशरत नूरी ने कहा कि इस सेमिनार का मकसद है कि मुसलमान अपनी घर की औरतों को गुमराही से बचाएं। आखिर में दुआ मौलाना गुलफाम रज़ा ने की। इस सेमिनार में ताहिर अल्वी,हाजी शरिक नूरी,सय्यद शावेज़,अदनान बेग,साजिद नूरी, नईम नूरी, इरशाद रज़ा, मुस्तकीम रज़ा,आकिब रज़ा,सय्यद माजिद अली,साकिब रज़ा,आले नबी,क़ाशिफ़ सुब्हानी,सय्यद एजाज़,जावेद खान, मुजाहिद रज़ा,नदीम खान,फिरोज खान,अब्दुल अहद,आरिफ़ रज़ा,आदिल रज़ा,अरवाज़ रज़ा आदि मौजूद रहे।

ज़ैनब फ़ातिमा ने की अखिलेश यादव से मुलाकात, 2027 में सरकार बनाने का लिया संकल्प

क्यूँ न लिखूँ सच- पं सत्यमशर्मा

बरेली – समाजवादी पार्टी अल्पसंख्यक सभा की राष्ट्रीय सचिव सुश्री ज़ैनब फ़ातिमा ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव से शिष्टाचार मुलाकात की। यह मुलाकात पार्टी मुख्यालय, लखनऊ में सम्पन्न हुई, जहां संगठन को और अधिक मज़बूत बनाने तथा आगामी 2027 के विधानसभा चुनावों में सरकार बनाने के संकल्प पर विशेष चर्चा हुई। ज़ैनब फ़ातिमा ने अखिलेश यादव को भरोसा दिलाया कि वे समाजवादी पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगी और महिला वर्ग के बीच पार्टी की पकड़ को मज़बूत करेंगी। उन्होंने कहा कि आज की राजनीति में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है और समाजवादी पार्टी महिलाओं को बराबर का सम्मान देती है। इस दौरान अखिलेश यादव ने भी ज़ैनब फ़ातिमा के सामाजिक कार्यों की सराहना की और उन्हें आगामी चुनावी तैयारियों में सक्रिय भागीदारी निभाने का संदेश दिया। मुलाकात के दौरान पार्टी संगठन को ज़मीनी स्तर पर मज़बूत करने और आम जनता से जुड़ाव बढ़ाने की रणनीतियों पर भी चर्चा हुई, ज़ैनब फ़ातिमा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि 2027 में समाजवादी पार्टी पूरी ताक़त के साथ चुनाव लड़ेगी और उत्तर प्रदेश में फिर से समाजवादी सरकार बनाएगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे एकजुट होकर पार्टी की नीति और कार्यक्रमों को गांव-गांव तक पहुंचाएं।

रात में भरभरा कर गिरा मकान, पूरा परिवार मलवे में दवा, आठ घायल, 3 बकरी एक भैंस मरी

क्यूँ न लिखूँ सच- पं सत्यमशर्मा

बरेली – बारिश की वजह से इन दिनों जान माल के नुकसान की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। अब आंवला में एक कच्चा मकान भरभराकर जमींदोज हो गया। मकान गिरने से उसके नीचे पूरा परिवार दबकर घायल हुआ है। एक ही परिवार के आठ लोग घायल हो गए। मामला आंवला के गांव भीमलौर रसूलपुर का है। चंद्रपाल अपने कच्चे मकान में परिवार के साथ सो रहे थे। बारिश शुरू हुई तो मकान भरभराकर गिर गया। मलबे के नीचे पांच बच्चों और एक महिला समेत कुल आठ लोग दबकर घायल हो गए। वहीं हादसे में तीन बकरियों और एक भैंस की भी मौत हुई है। सीओ आंवला नितिन कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद फौरी तौर से पुलिस की टीम सक्रिय हुई। एंबुलेंस और डायल 112 मौके पर पहुंची। राहत बचाव कार्य चलाकर घायलों को नजदीकी सीएचसी ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों की हालत अब खतरे से बाहर बताई जा रही है। ये लोग हुए हादसे में घायल देर रात हुए हादसे में मकान के अंदर सो रहे भोजराम पुत्र ढाकनलाल (55 वर्ष), चंद्रपाल पुत्र ढाकनलाल (50 वर्ष) ,सुनीता पत्नी चंद्रपाल (45 वर्ष) , रवि पुत्र चंद्रपाल (15 वर्ष) , बलवीर पुत्र चंद्रपाल (10 वर्ष), मंजू पुत्री चंद्रपाल (9 वर्ष) ,ज्योति पुत्री चंद्रपाल (8 वर्ष), संजीव पुत्र चंद्रपाल (2 वर्ष) घायल हुए हैं।

भाजपा ने लगाया चौपाल बनाए गए 70 वर्ष के वृद्ध जनों का आयुष्मान कार्ड

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रयागराज भारतीय जनता पार्टी प्रयागराज महानगर के द्वारा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता के नेतृत्व में महानगर के सभी शक्ति केंद्रों में मोदी सरकार की 11 वर्षों की उपलब्धियां को लेकर चौपाल का आयोजन किया गया इस अवसर पर दलित बस्ती दरियाबाद में मंडल अध्यक्ष परमानंद के द्वारा चौपाल का कैम्प लगाया गया जिसमें मोदी सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर सेवा सुशासन और गरीब कल्याण मोदी सरकार की उपलब्धियां बताई गईं जिला प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने बताया कि कैंप के माध्यम से 70 वर्ष के ऊपर 212 वृद्ध जनों को आयुष्मान कार्ड बनाया गया इसके अलावा महानगर के सभी मंडलों के शक्ति केंद्रों पर चौपाल कैंप लगाया गया और आयुष्मान कार्ड 70 वर्ष के ऊपर वृद्ध जनों का बनाया गया इस अवसर मंडल अध्यक्ष परमानंद वर्मा राजेश केसरवानी अभिषेक जायसवाल ,विवेक मिश्रा, सुधांशु त्रिपाठी ,नीरज टंडन ,हिमांशु सोनकर ,रोहित भारती, जितेन जायसवाल, मालती केसरवानी ,विजय मेहता, लव कुश केशरवानी आदि मंडल के कार्यकर्ता उपस्थित रहे

धूमनगंज थाना अंतर्गत नीम सराय, मुंडेरा मंडी गेट नश 1 पर सदियों से बने गरीब का मकान दबंगो भूमाफियों द्वारा किया जा रहा हैं कब्जा!

क्यूँ न लिखूँ सच

पीड़ित परिवार की प्रार्थनी सुमन देवी पत्नी विनोद कुमार निवासी 344/442 मुंडेरा गेट न.1नीम सराय प्रयागराज की रहने वाली हैं जों अपने पुरखों की पुस्तैनी मकान में परिवार सहित रहती हैं हॉउस टैक्स बिजली बिल नजरी नक्सा कागज से मज़बूत हैं मेरे स्वम के मकान के पीछे से दीवाल से लगा हुआ बब्बू खां नामक व्यक्ति आतीक अहमद के साथ जमीन खरीदने और बेचने का काम करता था उसी समय हमारे पीछे वाले मकान को अतीक के दबंगई के चलते इस मकान को कब्जा कर के रहने लगा और हमारा मकान जर्ज़र होने के कारण हम ज़ब बनवाने लगे तभी इन लोगों ने सडयंत्र के तहत शाजिस रचकर मेरा मकान कब्जा करना चाहा कई बार मना करने पर मुझें और मेरे पति और बच्चों को गाली गलौझ करते हुये जान से मारने की कई बार धमकियां भी दिया साथ ही कहा यदि इसकी सूचना तुमने या तुम्हारे परिवार वालों ने किसी थाने व अधिकारियों को दिया तो यहीं जिन्दा जला देंदे! जों की मेरी इसी जमीन का मामला उच्च न्यायालय अपर सिविल जज प्रयागराज के यहाँ बिचारधीन था मूल वाद संख्या 131 सन, 2003 रजिस्टर्ड नश 5200131/2003 /10जुलाई 2024 को वादी के पक्ष में अपर सिविल जज साहेब ने आदेश जारी कर रखा है तब भी कोर्ट का उलघ्न करते हुये बब्बू खां और उसके आदमी मेरे मकान को जबरदस्ती कब्जा करने पर तुले है!

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

दो बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार, पैर में गोली लगने से एक घायल

क्यूँ न लिखूँ सच- पं सत्यमशर्मा

बरेली – प्रेमनगर थाना पुलिस ने बुधवार रात रेलवे हॉस्टल के पास हुई मुठभेड़ में दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। इनमें एक बदमाश के पैर में गोली लगी है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में पता लगा है कि दोनों बदमाश मॉर्निंग वॉक पर निकलने वाले लोगों से लूट व छिनैती की वारदात करते थे। एक महिला से कुंडल लूट की वारदात भी कबूल की है। सीओ सिटी प्रथम आशुतोष ने बताया कि रात में प्रेमनगर थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो संदिग्ध युवक धर्मकांटा से कुदैशिया फाटक की ओर जा रहे हैं। इस पर पुलिस ने घेराबंदी कर बाइक सवारों को रोकने का प्रयास किया तो उन्होंने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें एक बदमाश जितिन पैर में गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने जितिन और उसके साथी शिवा को गिरफ्तार कर लिया। घायल बदमाश का उपचार कराया गया है। रिपोर्ट दर्ज कर दोनों को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

बरेली में दो दिन तक बारिश का ऑरेंज अलर्ट

क्यूँ न लिखूँ सच- पं सत्यमशर्मा

बरेली – मानसून ने दस्तक दे दी है। दिन में धूप और रात में बारिश का सिलसिला बुधवार को भी जारी रहा। मौसम विभाग ने अगले दो दिन तक गरज, चमक के साथ बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। बादल गरजने और बिजली चमकने पर लोगों से सुरक्षित स्थान पर पहुंचने की अपील की है। मंगलवार की रात तीन बजे तक रुक-रुककर हुई 23 मिमी बारिश ने उमस से खासी राहत पहुंचाई। बुधवार की सुबह बादलों के साथ हुई। दिनभर हल्के, घने बादल मंडराए, लेकिन बारिश के अनुकूल माहौल नहीं बन सका। हालांकि, हवा में नमी सौ फीसदी होने से गर्मी का अहसास कम हुआ। अधिकतम तापमान तीन डिग्री लुढ़ककर 32.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। न्यूनतम तापमान 24.5 डिग्री सेल्सियस रहा।

हरियाली के लिए नयी मुहिम ,काम के बदले ले रहे पौधारोपण की फोटो

क्यूँ न लिखूँ सच- पं सत्यमशर्मा

बरेली – रिठौरा। हरियाली, स्वच्छता, शिक्षा,एवं जनहित के कार्यों में जहां भ्रष्टाचार की शिकायतें आम बात है, वहीं रिठौरा में हल्का लेखपाल दिनेश कुमार सिंह ने हरियाली को लेकर नयी मुहिम चला रखी है।किसी भी किसान , व्यापारी, छात्र जिसको भी चाहें खसरा -खतौनी का काम हो या जन्म एवं आय प्रमाण पत्र बनबाना हो तो काम के बदले खेत, आंगन, स्कूल, मंदिर कहीं भी पौधारोपण कर उसकी फोटो मांगते हैं। लोगों को भी अनूठी पहल में मजा आ रहा है।वह काम के बाद तुरंत पौधारोपण करते हुए फोटो भेज रहे हैं। इससे पर्यावरण संरक्षण को बड़ा सहयोग मिल रहा है। वहीं लोग भी पौधारोपण का महत्व समझ रहे हैं। वहीं नगर पंचायत रिठौरा के अधिशासी अधिकारी अंकित गंगवार,नगर में स्वच्छता को लेकर बड़ी ही गंभीरता से प्रात:काल में ही सफ़ाई अभियान को अपनी देखरेख में चलवाते हैं। जिससे नगर में मक्खी,मच्छर का बिल्कुल नहीं है। जिससे नगर में आम जनमानस का बेहतर स्वास्थ्य है।चेयरमैन शकुंतला देवी भी सभी लाभार्थियों से सरकारी लाभ लेने के बाद उनसे अपने आसपास गंदगी न करने नल बंद रखने, दिन में बल्ब न जलाने का वचन लेती हैं। जहां पुलिस से जनता भयभीत रहती थी।अब रिठौरा पुलिस चौकी पर तैनात प्रभारी वैभव कुमार गुप्ता से जनता सीधे मिलकर अपनी समस्याओं का निस्तारण करवा कर खुशी जताती है।हाल ही में तमाम घरेलू कहासुनी के प्रार्थना -पत्र लेकर तमाम लोग पुलिस चौकी आए लेकिन चौकी प्रभारी ने एक परिवार के मुखिया की तरह उन्हें समझाया तो जनता ने प्रार्थना -पत्र ही वापस ले लिए और परिजनों के साथ खुशी -खुशी लौट गए। प्राथमिक विद्यालय रिठौरा में प्रधानाध्यापिका एकता सक्सेना ने एक अनूठी मुहिम चलाई है, सरकार ने भले ही कक्षा एक में प्रवेश के लिए बच्चों की आयु छह वर्ष निर्धारित कर दी है।

न्यायालय के आदेशों का अनुपालन करने में लेखपाल नहीं ले रहे संज्ञान

क्यूँ न लिखूँ सच- अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती विकास खंडहरीपुर रानी ग्राम सभा भंगही का प्रधान लक्ष्मी शरण व उनके लड़के इंद्र बहादुर के ऊपर धारा 67 के तहत न्यायालय में कार्रवाई हो गई है जिसमें हल्का लेखपाल की लापरवाही साफ-साफ नजर आ रही है न्यायालय के आदेशों का कंप्लायंस करने में लेखपाल के लापरवाही को लेकर ग्रामीण अपने रास्ते के लिए परेशान हैं वाद तहसीलदार न्यायालय पर चल रहा है जिसमें बेदखली के आदेश भी पारित किये जा चुके हैं ग्रामीणों को कहना है की हल्का लेखपाल आखिर क्यों नहीं संज्ञान ले रहे हैं जो भू राजस्व अभिलेख में गाटा संख्या 628/ 879 जो नवीन परती है गाटा संख्या 629 राजस्व भू अभिलेख में चक मार्ग दर्ज है और गाटा संख्या 544 पर कम से कम 15 साल से इंद्र बहादुर पुत्र लक्ष्मी शरण का कब्जा लगातार बना हुआ है जिस पर न्यायिक तहसीलदार की कोर्ट पर धारा 67 के तहत कार्यवाही हो गई है और हल्का लेखपाल ने उसी वाद में दो बार अपनी रिपोर्ट लगा दी है की गाटा संख्या 544 पर अवैध पक्का निर्माण इंद्र बहादुर के द्वारा किया गया है आज तक ना घाटा संख्या 544 %629 %628/879 पर राजस्व विभाग के द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई एसडीएम भिनगा से वार्ता करने के बाद में सुनिश्चित कराया गया है कि जल्द से जल्द उसे पर कंप्लायंस कराया जाएगा और बुलडोजर की कार्रवाई भी होगी.

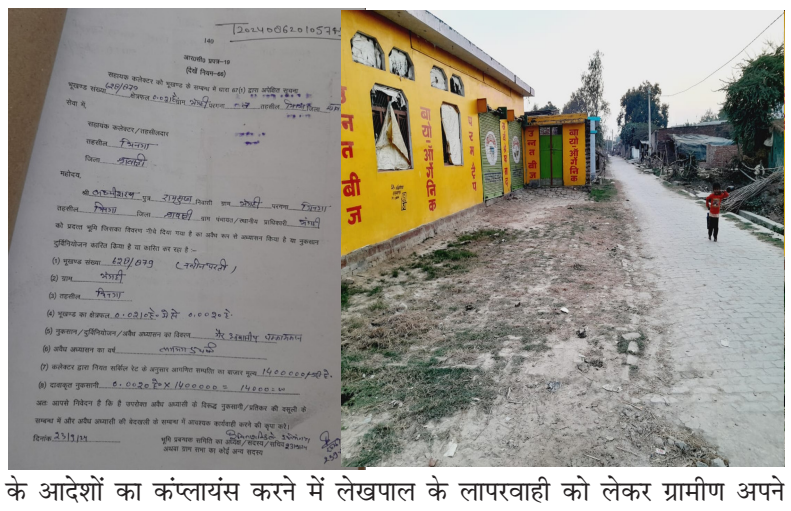

सूरजपुर छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश पुलिस की हुई बॉर्डर मीटिंग, सीमावर्ती इलाके में आपराधिक गतिविधियां साझा करने एवं अवैध तस्करी पर रोक लगाने बनी रणनीति।

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर। डीआईजी व एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने अंतराज्जीय सीमावर्ती थाना की पुलिस के साथ अपराधियों की धरपकड़ के लिए जॉइंट ऑपरेशन चलाने, किसी अपराध के बाद बार्डर क्षेत्र में ठोस नाकाबंदी कराने, आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त आदतन अपराधियों की जानकारी साझा करने एवं अपराधी तक पहुंचने के लिए बेहतर प्लानिंग के साथ कार्य करने के लिए बार्डर मीटिंग करने के निर्देश दिए थे। निर्देश के परिपालन में छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले के थाना चांदनी और मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले के चौकी शासन पुलिस की बार्डर मीटिंग गुरूवार, 19 जून 2024 को चौकी शासन में आयोजित हुई। इस मीटिंग में अंतरराज्यीय अपराधियों को पकड़ने में एक-दूसरे की मदद करने पर जोर दिया गया। ढाई घंटे चली बैठक में वॉट्सएप ग्रुप बनाकर सूचनाओं का आदान-प्रदान करने पर सहमति बनी। बैठक में रणनीति के तहत सीमावर्ती थाना क्षेत्र में गश्त की जाएगी और प्रत्येक माह बैठक होगी। आपराधिक गतिविधियों, अवैध सामग्री के परिवहन, पशु तस्करी पर अंकुश लगाने एवं कानून व्यवस्था के लिए जरूरी कदम उठाने, अपराधी तक पहुंचने के लिए सीमावर्ती क्षेत्र में बेहतर समन्वय के लिए भी कार्ययोजना बनाई गई। बैठक में थाना प्रभारी चांदनी रूपेश कुंतल, चौकी प्रभारी शासन संजय नामदेव सहित दोनों ओर के अन्य पुलिस अधिकारीगण मौजूद रहे।

62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा राजभाषा हिंदी की प्रथम तिमाही कार्यशाला का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच- प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती 62 वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा के सभागार में राजभाषा हिंदी की प्रथम तिमाही कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला की अध्यक्षता ललेंद्र रत्नाकर, कार्यवाहक कमांडेंट ने की। इस अवसर पर अनुज कुमार, जिला विकास प्रबंधक (नाबार्ड) एवं जुगल किशोर, अग्रणी जिला प्रबंधक, श्रावस्ती नराकास द्वारा हिंदी- हमारी भाषा, हमारी पहचान विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। कार्यशाला में गोवर्धन पुजारी, उप कमांडेंट, आनंद कुमार नराकस अधीनस्थ अधिकारीगण तथा अन्य कार्मिकों की सक्रिय सहभागिता रही। सभी प्रतिभागियों ने हिंदी के प्रचार-प्रसार के प्रति अपने विचार साझा किए एवं इसे कार्यस्थल पर प्रभावी रूप से लागू करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष श्री ललेंद्र रत्नाकर द्वारा आमंत्रित अतिथियों को पुष्पगुच्छ, प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। अध्यक्षीय संबोधन में कार्यवाहक कमांडेंट श्री ललेंद्र रत्नाकर ने हिंदी के संवैधानिक महत्व, प्रशासनिक उपयोगिता तथा इसकी जनभावनाओं से जुड़ी भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने सभी कार्मिकों से आह्वान किया कि वे हिंदी के प्रयोग को अपने कार्य व्यवहार में प्राथमिकता दें एवं राजभाषा नीति के अनुपालन में सक्रिय भूमिका निभाए द्य

बिछड़ी बेटी को सूरजपुर पुलिस ने मिलवाया परिवार से, विक्षिप्त बालिका 4 दिन से भटक रही थी सड़क पर, पुलिस के नए बीट प्रणाली के वाटसएप ग्रुप से मिली अहम जानकारी, परिजनों को सौंपी गई बालिका।

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर। जिले की पुलिस ने बुधवार को एक विक्षिप्त बालिका को उसके परिजनों तक सकुशल पहुंचाया है जिसमें पुलिस के नए बीट प्रणाली के वाटसएप ग्रुप की बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका रही। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर गुम इंसान की खोजबीन कर दस्तयाब करने ऑपरेशन ''तलाश'' अभियान जोर-शोर से चलाया जा रहा है साथ ही गुम इंसानों की दस्तयाबी के लिए नए बीट प्रणाली का उपयोग भी किया जा रहा है जिसके सार्थक परिणाम भी मिल रहे है। दरअसल, 18 जून 2025 को चौकी खड़गवां पुलिस के ग्राम गश्त के दौरान ग्राम सिंगल डोल में एक बालिका को विछिप्त अवस्था में घुमते देखा जिससे नाम पता पूछने पर किसी से बात नहीं कर रही थी जिसे महिला आरक्षक के साथ चौकी लाया गया। चौकी में बालिका को खाने-पीने की वस्तुएं व कपड़ा उपलब्ध करा उसे किसी से न डरने की बात कहते हुए हिम्मत बढ़ाया गया। चौकी प्रभारी ने विछिप्त बालिका के परिजनों की जानकारी हासिल करने के लिए नए बीट प्रणाली के बीट प्रभारियों को सक्रिय कर लगाया और बीट वाटसएप ग्रुप के माध्यम से जानकारी साझा की गई। इसके करीब 3 घंटे के बाद बीट वाटसएप ग्रुप के माध्यम से बालिका के माता-पिता के थाना पस्ता जिला बलरामपुर में होने की जानकारी मिली जिसके बाद बालिका के परिजनों से सम्पर्क कर उन्हें चौकी बुलाया गया। बालिका को लेने पहुंचे उसके माता-पिता के द्वारा बताया कि उसकी पुत्री 4 दिन पहले घर से निकली थी जिसकी खोजबीन में वे काफी परेशान थे। लेकिन पुलिस की तत्परता से लड़की सकुशल मिल गई। लड़की के परिजनों ने सूरजपुर पुलिस को धन्यवाद दिया है। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी खड़गवां योगेन्द्र जायसवाल, महिला आरक्षक सक्रिय रहे।

राहुल गांधी जीके 55 वर्ष उम्र होने पर प्रतापपुर विधानसभा के कांग्रेस जनों ने उनका जन्मदिन मोहिउद्दीनपुर वनवासी लोगों के बीच में फल वितरित करके मनाया

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रयागराज विधानसभा प्रतापपुर कांग्रेस के प्रत्याशी रहे वरिष्ठ कांग्रेस नेता संजय तिवारी मधुसूदन पांडे और युवक कांग्रेस के प्रदेश महासचिव आदर्श प्रजापति ने संयुक्त रूप से राहुल गांधी का जन्मदिन विकास से दूर बनवासी समाज के लोगों की बस्ती में जाकर सबको एक-एक किलो आम का फल वितरित करके हर्ष उल्लास के साथ मनाया संजय तिवारी ने बताया कि प्रतापपुर विधानसभा पहले फूलपुर लोकसभा जो पंडित नेहरू की लोकसभा थी आज भी लोगों में इंदिरा गांधी राजीव गांधी की याद बसा हुआ है इसलिए लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए जो बहादुर और क्रांतिकर्ता के साथ श्री राहुल गांधी ने हजारों किलोमीटर की पैदल यात्रा करके आम लोगों के दुख दर्द को जाना और समाज के वंचित और सबसे कमजोर आदमी को गले लगाया और उनकी आवाज को बुलंद किया यह देश के राजनीतिक इतिहास में क्रांतिकारी परिवर्तन था आज पूरे विश्व में देश का संविधान बचाने की बात हो या आम आदमी के साथ हो रहा है अत्याचार को रोकने की बात हो रोजगार की बात हो न्याय व्यवस्था की बात हो या देश की सीमा पर पाकिस्तान द्वारा किए गए आक्रमण में शहीद हुए नुकसान झेल रहे बेघर लोगों का साथ हो राहुल गांधी ही सर्वप्रथम पहुंचकर उनका दुख दर्द बांटने का कार्य कर रहे हैं इसीलिए राहुल गांधी लोगों की आवाज बनकर उभर रहे हैं तिवारी ने कहा कि 2027 में होने वाले चुनाव के लिए संगठन सृजन के द्वारा संगठन बनाने के द्वारा भी कांग्रेस संगठन में भारी फेरबदल किया जा रहा है वह सिर्फ राहुल गांधी के द्वारा उठाए गए सख्त ढंग से संगठन निर्माण की भूमिका को जमीन पर उतारने के लिए एक मजबूत ढंग से संगठन निर्माण का कार्य चल रहा है आगामी चुनाव में वह दिखेगा भी उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश की सरकार जहां पर सांप्रदायिक माहौल पैदा करके हिंदू मुसलमान करके देश के विकास को अवरुद्ध कर दिया है विश्व के नक्शे में देश को पीछे धकेला जा रहा है वह चाहे अमेरिका के सामने सिंदूर ऑपरेशन में सरेंडर करने की बात हो या अडानी के सामने घुटने टेकने की बात हो राहुल गांधी मुखर रूप से संसद से लेकर सड़क पर लड़ रहे हैं और लड़ते रहेंगे तिवारी ने बताया कि भाजपा की आईटी सेल राहुल गांधी के बारे में अनाप-शनाप प्रचार करता रहता है लेकिन वह इस देश की आजादी की लड़ाई में उसे परिवार से संबंध रखते हैं जिसका पूरा परिवार इस देश के लिए सब कुछ न्योछावर कर दिया पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के पोते के रूप में, उनकी वंशावली भारतीय राजनीतिक इतिहास में गहराई से निहित है। उनके दादा, फिरोज गांधी , गुजरात से थे और पारसी वंश के थे। इसके अलावा, वह भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के परपोते हैं। तिवारी ने लोगों का आवाहन किया कि आज राहुल गांधी जिस तरीके से निस्वार्थ रूप में लोगों की लड़ाई लड़ रहे हैं जो लोकतंत्र को जिंदा रखे हुए और आम आदमी का अधिकार सुरक्षित बना हुआ है अन्यथा तानाशाह सरकार जिसकी बुनियाद झूठे वादे झूठ आश्वासन देना झूठ कार्य करना झूठ स्कूल कॉलेज एम्स खोलना और सरकार में 420 करके बने रहना ही मात्र उद्देश्य रह गया हो वहां पर राहुल गांधी जैसी शख्सियत भारतीय लोकतंत्र के प्रहरी बने हुए

संक्षिप्त समाचार

बंदरों के आतक से निजात दिलाने की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच- प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती। बंदरों के आतंक से नगर वासी भयभीत, बंदरों के काटने से दर्जनों लोग हो चुके है जख्मी तो दो से तीन लोगों की हो चुकी है मौत, फिर भी वन विभाग ने साधी चुप्पी। भिनगा मुख्यालय पर यानी लगभग नगर पालिका परिषद क्षेत्र में इस समय बंदरों के आतंक से लोग काफी भयभीत है। बंदरों के आतंक से लोग भीषण गर्मी में भी डर के कारण घरों में छिपे रहने को मजबूर है। बड़े ही हिम्मत से अगर कोई भी व्यक्ति छत पर लेटने गया तो वहां मौजूद बंदरों के झुण्ड का शिकार बन ही जाता है। लगभग छ माह पूर्व इसी बंदरों के आतंक के कारण टंडवा मोहल्ला में एक युवक की छत से नीचे गिरने से मौत हो गई थी। जिसकी सूचना मिलने के बाद भी विभाग के द्वारा कोई कार्यवाही नहीं किया गया।

लो-वोल्टेज से लोगों को हो रही समस्या

क्यूँ न लिखूँ सच- अरविन्द कुमार

श्रावस्ती जमुनहा विकास क्षेत्र में बिजली की हालत बद से बदतर होती जा रही है। एक तरफ जहां लोग बिजली कटौती से परेशान हैं तो वहीं लो-वोल्टेज भी लोगों के लिए बड़ी समस्या बनी हुई है। भगवानपुर पावर हाउस से बिजली की आपूर्ति होती है। जिससे भवनियापुर, बरगदहा, कलकलवा, बालापुर, बेलरी, लालबोझा,भेला गांव, मल्हीपुर,दरवेशगंव, गंगा भागड़, सागरगांव, श्रीनगर, सोनपुर कलां, फत्तेहपुर बनगई, कानीबोझी, कुंडा समेत कई दर्जनों को इसी पावर हाउसे से बिजली मिलती है।

महिला को रक्तदान कर रॉबिन हुड आर्मी ने मानवता सेवा का दिया संदेश

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रयागराज रॉबिन हुड आर्मी ने एक महिला की जान बचाने के लिए रक्तदान किया, जिसका हीमोग्लोबिन स्तर डिलीवरी के दौरान पांच तक गिर गया था।

दिव्यांशु सिंह और अभिलाष केसरवानी जाबाज सदस्यों ने रक्तदान कर महिला की जान बचाई। इस तरह के कार्य रॉबिन हुड आर्मी की मानवता और सेवा की भावना को दर्शाते हैं। रॉबिन हुड आर्मी की प्रयागराज टीम ने महाकुंभ में आए हुए श्रद्धालु आयन दत्ता 14 वर्षीय किशोर जिसका ट्रेन की चपेट में पैर कट गया था जिसको तत्काल रॉबिंस रक्तदान किया था, टीम के सदस्य गौरव यादव, निशिता सिंह, माया द्विवेदी, नीलम गुप्ता, सौरभ तिवारी, अवनीश पांडेय, ने अस्पताल पहुंचकर वरिष्ठ डॉक्टरों से संपर्क कर बेहतर ट्रीटमेंट कराया था रॉबिन हुड आर्मी की ऐसी पहलें न केवल जरूरतमंद लोगों की मदद करती हैं, बल्कि समाज में एक सकारात्मक संदेश भी देती हैं

मोहब्बत और प्यार दिवस के रूप अल्पसंख्यक कांग्रेस ने मनाया राहुल गांधी का जन्म दिन

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रयागराज अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग ने मंसूर अली पार्क के निकट मिठाई और फल का वितरण कर के जन नायक नेता प्रतिपक्ष श्री राहुल गांधी जी का जन्म दिवस मनाया।इस मौके पर अल्पसंख्यक कांग्रेस के नि0 शहर अध्यक्ष अरशद अली ने कहा राहुल गांधी एक मात्र नेता हैं जो नौजवानों, महिलाओं, बेरोजदारो, अल्पसंख्यको, पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों, शोषितों,वंचितों, सभी की हक और न्याय की लड़ाई सड़क से लेकर संसद तक लड़ने और उनकी आवाज बुलन्द कर रहे हैं। इस मौके पर मो हसीन ने बताया श्री राहुल गांधी जी ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक की पद यात्रा का उद्देश्य ही यही था कि लोगों के बीच से डर, भय दूर हो और हर एक हिन्दुस्तानी के दिलो में एक दूसरे के प्रति मोहब्बत और भाईचारा कायम रहे ताकि देश एक सूत्र से बधा रहे। इस मौके पर अरशद अली, मो हसीन, महफूज अहमद, मो इमरान खान, जाहिद नेता, मो अल्तमस,गुलाम वारिस, मो लईक, मो अरशद, रचित नेगी, मोहित कुमार, पप्पू, मो ताहा, महेश यादव, और नफीस कुरैशी आदि मौजूद रहे।

अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष लोकसभा जननायक राहुल गांधी के जन्मदिन बड़े धूमधाम के साथ मनाया

क्यूँ न लिखूँ सच- राकेश गुप्ता

शामली अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष लोकसभा जननायक मा, राहुल गांधी जी के जन्मदिवस पर खुरगान रोड निकट चांद मस्जिद कैराना में स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय पर मा, राहुल गांधी जी का जन्मदिन केक काट कर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, जिसमें कांग्रेस कमेटी के सभी सदस्य पदाधिकारी में एक दूसरे को के खिलाया राहुल गांधी की जन्मदिन का जोरदार जन्मदिन मनाया जिला कागेंस कमेटी शामली के जिला अध्यक्ष अखलाक प्रधान के नेतृत्व मे कार्यक्रम का आयोजन करते हुए ज़िला उपाध्यक्ष एवं संगठन प्रभारी शमशीर खान कोषाध्यक्ष इब्राहिम नगर अध्यक्ष कैराना नदीम ने मा, राहुल गांधी जी को बधाई दी और उनकी लंबी उम्र की कामना करते हुए देश की बागडोर सुरक्षित नेतृत्व करने के लिए तैयार रहने का सन्देश दिया, इस अवसर पर आलिम साबिर शकील रिजवान सहित दर्जनों कांग्रेसी मौजूद रहे

पुलिस कांस्टेबल भर्ती में आये सभी बच्चों को दी बहुत बधाईया

क्यूँ न लिखूँ सच- राकेश गुप्ता

जलालाबाद शामली उत्तर प्रदेश की पुलिस भर्ती में काफ़ी बच्चों ने प्रतिभाग किया था उनमे से शामली जनपद के कस्बे जलालाबाद में भी कुछ बच्चों ने पुलिस कांस्टेबल की भर्ती में परीक्षा पास की थी दिनांक 22 जून 2025 से अब उनकी ट्रेनिंग होने जा रही जिससे आज क़स्बा जलालाबाद के मोहल्ला गंगा आर्य नगर, जैन मंदिर एवं कट हेड़ा बाजार के बच्चे अपने अपने ट्रेनिंग सेंटर पर चले गए। जाने से पहले कस्बे के गणमान्य व्यक्तियों ने सभी बच्चों का सम्मान किया। जैन मंदिर से सुशील जैन ने सभी बच्चों को पटका पहना कर सम्मान के साथ बधाई देते हुए रवाना किया। पुलिस कांस्टेबल में आकाश नायक पुत्र सुरेंद्र नायक, लक्की कुमार पुत्र शिव कुमार, शिवम् कुमार एवं कुलदीप आदि बच्चों को शुभकामनायें दी। इस मोके पर सुशील जैन, सचिन जैन, विकास कुमार, आशीष नायक एस आई, ऋतिक नायक, राहुल जैन, रिक्की कुमार, सचिन कुमार, मोनू कोरी आदि रहे।

शासकीय कन्या शाला में प्रवेश हेतु फॉर्म वितरण, जमा व परीक्षा तिथि में किया गया वृद्धि

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- शासकीय कन्या शाला शिक्षा परिसर सूरजपुर के सत्र 2025-26 में छात्राओं के प्रवेश हेतु फॉर्म वितरण, जमा व परीक्षा तिथि में वृद्धि किया गया। रिक्त सीट के विरूद्ध प्रवेश हेतु फॉर्म की संख्या कम होने के कारण परीक्षा फार्म वितरण तथा जमा करने की तिथि 30 जून व परीक्षा तिथि 07 जुलाई तक कर दी गई है। कक्षा 6 वीं एवं 9 वीं में प्रवेश के लिए 5वीं एवं 8वीं में ''ए'' ग्रेड से उत्तीर्ण होना अनिवार्य है तथा कक्षा 11 वीं में प्रवेश के लिए कक्षा 10 वीं में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। कक्षा 6 वीं में अ.जा. के 5 सीट, अ.ज.जा के 28 सीट व पि.वर्ग/ सामान्य वर्ग के 2 सीट रिक्त है, कक्षा 9 वीं में अ.जा. के 3 सीट व अ.ज.जा के 2 सीट रिक्त है। कक्षा 11 वीं में अ.जा. के 3 सीट व अ.ज.जा के 1 सीट रिक्त है।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विधायक श्रीमती गोमती साय होंगी मुख्य अतिथि

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिले में विधायक श्रीमती गोमती साय मुख्य अतिथि के रूप में होगी शामिल। योग दिवस के अवसर पर 21 जून को जिले के रंगमंच नगर (पालिका परिषद के सामने स्थित) में सुबह 07 बजे योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिसमें विधायक श्रीमती गोमती साय आम नागरिकों के साथ योगाभ्यास करेंगी।

कैलाश मानसरोवर तीर्थ यात्रा पर जाने वाले उत्तर प्रदेश राज्य के मूल निवासियों को राज्य सरकार की ओर से आर्थिक सहायता प्रदान किये जाने के संबंध में बताया

क्यूँ न लिखूँ सच- राकेश गुप्ता

शामली श्री कैलाश मानसरोवर की तीर्थ यात्रा पर जाने वाले उ0प्र0 राज्य के मूल निवासियों को राज्य सरकार की ओर से आर्थिक सहायता प्रदान किये जाने के संबंध में उत्तर प्रदेश शासन धर्मार्थ कार्य अनुभाग लखनऊ के पत्र दिनांक 13जून,2025 के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार तिवारी ने अवगत कराया कि उ0प्र0 राज्य के मूल निवासियों को श्री कैलाश मानसरोवर की तीर्थ यात्रा हेतु रू0 1.00 लाख का अनुदान दिये जाने के सम्बन्ध में निम्नलिखित व्यवस्था प्रतिपादित किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं। 1. कैलाश मानसरोवर यात्रा में सम्मिलित होने वाले उ0प्र0 के मूल निवासियों,जो वर्तमान में भी प्रदेश में निवास कर रहे हों, को श्री कैलाश मानसरोवर की तीर्थ यात्रा हेतु एकमुश्त रू0 1.00 लाख की धनराशि अनुदान स्वरूप दी जायेगी।, 2. भारत सरकार द्वारा आयोजित की जाने वाली कैलाश मानसरोवर यात्रा में सम्मिलित होने वाले यात्रियों के अतिरिक्त अपने व्यक्तिगत स्रोतों से तथा प्राइवेट ट्रेवल एजेन्सी के माध्यम से यात्रा पूर्ण करने वाले यात्रियों को भी अनुदान प्रदान किया जायेगा।, 3. कैलास मानसरोवर यात्रा पूर्ण करने वाले यात्रियो द्वारा धर्मार्थ कार्य विभाग की वेबसाइट www.updharmarthkarya.in पर 90 दिवस के भीतर आवेदन करना होगा। उक्त आवेदन के अंतर्गत नवीनतम फोटोग्राफ, आधार कार्ड, पैनकार्ड, निवास प्रमाण पत्र, पासपोर्ट एवं वीजा, बैंक खाते का विवरण, यात्रा पूर्ण करने का प्रमाण पत्र एवं अन्य अभिलेख ऑनलाइन अपलोड किये जाने होंगे। कोई भी आवेदन पत्र भौतिक रूप में स्वीकार नहीं किया जायेगा।, 4. अनुदान हेतु आवेदन पत्र के साथ अपलोड अभिलेखों का परीक्षण धर्मार्थ कार्य निदेशालय, उ0प्र0 लखनऊ द्वारा किया जायेगा। परीक्षणोंपरान्त आवेदन सही पाये जाने पर धर्मार्थ कार्य निदेशालय द्वारा अनुदान राशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में स्थानान्तरित की जायेगी।, 5.आवेदन पत्र एवं अभिलेखों में किसी भी प्रकार की त्रुटि/कूटरचित होने पर आवेदन निरस्त करते हुये आवेदक को रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर/ई-मेल पर मैसेज के माध्यम से धर्मार्थ कार्य निदेशालय, उ0प्र0 लखनऊ द्वारा सूचित किया जायेगा। कैलास मानसरोवर यात्रा अनुदान प्रदान किये जाने से सम्बन्धित शिकायतों का निवारण निदेशक, धर्मार्थ कार्य निदेशालय द्वारा करते हुये शासन को अवगत कराया जायेगा।, 6.जीवन काल में किसी यात्री को एक बार ही अनुदान दिया जायेगा।, 7. यात्रियों को दी जाने वाली सहायता राशि की सम्पूर्ण धनराशि निदेशक, धर्मार्थ कार्य निदेशालय, उ0प्र0 लखनऊ के निर्वतन पर रखी जायेगी। उक्त अनुदान प्रदान किये जाने पर होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष के आय-व्ययक में प्राविधानित सुसंगत मद से वहन किया जायेगा।, 8. किसी यात्री की मृत्यु होने की दशा में पत्नी/पति या आश्रित के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर अनुदान की प्रतिपूर्ति हेतु विचारोपरान्त निर्णय लिया जायेगा।, 9. अनुदान हेतु आवेदन पत्र धर्मार्थ कार्य विभाग की वेबसाइट www.updharmarthkarya.in पर समस्त निर्देशों के साथ अपलोड है। आवेदक द्वारा समस्त निर्देशों का अनुपालन करते हुये सुसंगत अभिलेखों को स्कैन कर अपलोड करते हुये आवेदन किया जाना होगा।,10.जिस वर्ष में आवेदन किया गया है, उसी वित्तीय वर्ष के बजट प्राविधान से ही अनुदान प्रदान किया जायेगा। अगले वित्तीय वर्ष में अनुदान हेतु विचार नहीं किया जायेगा।, 11.यदि यह पाया जाता है कि किसी यात्री द्वारा कूटरचित अभिलेखों या अन्य सुसंगत साक्ष्यों को छिपाकर अनुदान प्राप्त कर लिया गया है, तो उससे अनुदान की धनराशि वसूल कर ली जायेगी तथा उसके विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

जिलाधिकारी अरविंद कुमार चौहान द्वारा आज कलेक्ट्रेट सभागार में किसान दिवस का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच- राकेश गुप्ता

शामली जिलाधिकारी शामली श्री अरविन्द कुमार चौहान की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया। आयोजित किसान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी ने बारी-2 से किसानों की समस्याओं को सुनते हुए सभी संबंधित अधिकारियो को प्राप्त समस्याओं का समय से समाधान किया जाने के कड़े निर्देश दिए। डीएम ने किसानों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। आयोजित किसान दिवस के अवसर पर उप कृषि निदेशक शामली द्वारा किसानों को पूर्व किसान दिवस में प्राप्त किसानो की समस्या के समाधान के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। जिला कृषि अधिकारी शामली द्वारा कृषि विभाग द्वारा संचालित समस्त योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी एवं धान के उपलब्ध बीज की प्रजाति पी.बी.1692, पी.बी.1718,और पी.बी.1847,उर्द, मिल्लेटस व जिप्सम समस्त राजकीय कृषि बीज भण्डार पर उपलब्धता के बारे जानकारी दी गयी। डा0 अजय कुमार कृषि वैज्ञानिक के0वी0के0जलालपुर(शामली) द्वारा गन्ने में आने वाले टॉपबोरर की पहचान और उसके नियंत्रण की यांत्रिक,जैविक व रासायनिक विधियों पर विस्तार से चर्चा की।डा0एस0पी0 सिंह उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी शामली द्वारा गला घोटू बीमारी, एफ.एम.डी. बीमारी के टीकाकरण के बारे में कृषकों को विस्तारपूर्वक जानकारी दी व टीकाकरण कराने की अपील की। किसान दिवस में श्री राजन जावला निवासी डागरौल द्वारा ग्राम भनेड़ा की पानी की टंकी खराब है इसे ठीक कराने की मांग की गयी।श्री ईश्वर सिंह फौजी निवासी सिम्भालका द्वारा सिम्भालका व गोहरनी राजवाहे पर अवैध कब्जा हटाने की मांग की गयी। मौ0 शमशाद निवासी बलवा द्वारा बलवा से झाल मार्ग बहुत खराब है जिसे पक्का करने की मांग की गयी। श्री कालेन्द्र मलिक निवासी करौदा हाथी द्वारा बताया गया कि इफको द्वारा बनी दवाईयों की नमूने की जॉच कराकर खराब दवाईयो को बन्द कर दिया जायें और जनपद में अवैध खनन पर रोक लगाने की मांग की। जिलाधिकारी महोदय द्वारा समस्त अधिकारियो को निर्देशित किया गया कि समस्याओं का समय से समाधान किया जाये तथा कृषकों को आष्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का निस्तारण अवश्य किया जायेगा।किसान दिवस में श्री विनय कुमार तिवारी मुख्य विकास अधिकारी शामली,श्री प्रमोद कुमार उप कृषि निदेशक शामली,प्रदीप कुमार जिला कृषि अधिकारी शामली ,डा0एस0पी0 सिंह उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी शामली,श्री आर0एस0कुशवाह जिला गन्ना अधिकारी शामली तथा अन्य सभी विभागो के वरिष्ठ अधिकारीगण तथा कृषक प्रतिनिधि, राजन जॉवला, कुलदीप पवांर,सुनील पवांर,कालेन्द्र मलिक, आदि उपस्थित रहें।

शिक्षा विभाग की मासिक समीक्षा बैठक में शैक्षिक गतिविधियों पर की गई चर्चा

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर - मासिक समीक्षा बैठक अंतर्गत आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शिक्षा, आदिम जाति एवं जनजाति विकास विभाग, समग्र शिक्षा व खेल विभाग की बैठक रखी गई थी। बैठक में शिक्षा विभाग के योजना व गतिविधियों की अद्यतन जानकारी ली गई । बैठक में कलेक्टर श्री एस.जयवर्धन ने सभी विद्यालयों में सुचारू रूप से पठन-पाठन सुनिश्चित किया जाए इस हेतु जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया। इस अवसर पर शैक्षणिक स्तर की जानकारी लेने के साथ शिक्षा में सुधार को लेकर कई सुझाव दिए गये। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिक्षकों व छात्रों की शत-प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य रूप से दर्ज हो।उन्होंने विद्यालय में साफ-सफाई, समय सारणी के परिपालन , पाठ्य पुस्तक वितरण, गणवेश वितरण एवं स्कूल प्रारंभ के बाद शिक्षक दैनंदिनी व शासन के सभी महत्वपूर्ण दिशा-निर्देशों का पालन करने की बात कही। बैठक में शिक्षक युक्तियुक्तकरण के वर्तमान वस्तुस्थिति, जानकारी, अपार आईडी निर्माण की अद्यतन स्थिति , पीएम श्री स्कूल की जानकारी, पाठ्यपुस्तक व गणवेश वितरण की वस्तुस्थिति , प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना अंतर्गत समूहो की जानकारी, छात्रवृत्ति सत्र 2024 -25 की अद्यतन जानकारी, मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना अंतर्गत गुणवत्ता जांच की संख्यात्मक जानकारी, जाति/ निवास प्रमाण पत्र इत्यादि के सम्बंध में चर्चा की गई। इसके साथ ही बैठक आदिम जाति एवं जनजाति विकास विभाग की समीक्षा की गई। जिसमें छात्रावास व आश्रम प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने की बात कही गई और संबंधितों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू, शिक्षा अधिकारी श्रीमती भारती वर्मा, आदिवासी विकास विभाग से सहायक आयुक्त घनश्याम कुमार, खेल अधिकारी श्रीमती आरती पाण्डेय, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

पोषण भी पढ़ाई भी एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जागरूकता कार्यक्रम किया गया आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर - कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन के निर्देशानुसार तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री रमेश साहू के मार्गदर्शन में आ0बा0 कार्यकर्ताओं के तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम पोषण भी पढ़ाई भी में बेटी बचाओं बेटी बच्चों के पोषण और शिक्षा कराने के साथ-साथ महिला सामाजिक कार्यकर्ता की भी भूमिका निभाती है यदि वह पढ़ाओ जागरूकता कार्यक्रम भी किया गया। जिसमें आ0बा0 कार्यकर्ताओं को सकता है आ.बा. कार्यकर्ताओं समाज में होने वाले बाल सशक्तिकरण के क्षेत्र में योगदान देने की बात कही गई, आ0बा0 कार्यकर्ता एक पर कॉल कर उनके द्वारा सूचना देने पर सूचनाकर्ता का नाम चाह जाये तो समाज में पर्याप्त बुराईयों को काफी हद तक समाप्त किया जा महिलाओं के साथ किसी भी प्रकार की हिंसा हाने पर विवाह को रोकवाने में अपना अहम भूमिका निभा सकती है टॉल फ्री न0 1098 में आपकी सखी एप डाउनलोड कराया गया ताकि पीड़ित महिला को शिकायत करने के लिए भटकना न पड़े एवं सखी में पीड़ित महिलाओं को दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम गुप्त रखा जाता है गुप्त रूप से भी सामाजिक सुधार कार्य किये जा सकते हैं उनकी शिकायत तत्काल सखी एप में दर्ज करा सकती है इसके लिये मोबाईल में महिला एवं बाल विकास विभाग से महिला संरक्षण अधिकारी श्रीमती इन्द्र कुमारी तिवारी एवं केंद्र प्रशासक सखी वन स्टॉप सेंटर श्रीमती विनीता सिंहा सखी वन स्टॉप सेंटर द्वारा जानकारी दी गई।

संक्षिप्त समाचार

अकेली देखकर दबोचा महिला ने पुलिस को दी जानकारी पुलिस ने पकडा कोतवाली मे छुड़ाने को दलालो का जमावड़ा।

क्यूँ न लिखूँ सच- राकेश गुप्ता

शामली जनपद शामली के क़स्बा कैराना पिरज़ादगान मे मोहम्मद आज़म जो नशेड़ी किस्म का व्यक्ति है वह अपनी भाई की पत्नी पर शादी से ही बुरी नियत रखता था और अश्लील हरकत करता था उसने अपनी भाभी को धमकी दे रखी थी की अगर किसी को बताया तो तेरा कत्ल कर दूंगा क्यों के उसका भाई रोज़ सवेरा ही घर से दुकान पर चला जाता था और रात को घर आता था कल मौका पाकर उसने अपनी भाभी को दबोच लिया और अश्लील हरकत शुरू कर दी और कहने लगा की तू मुझे खुश कर दे ज़ब उसकी भाभी ने शोर मचा दिया फिर महिला ने पुलिस को सूचना दी पुलिस उसे पकड़ कोतवाली ले आयी और महिला ने कोतवाली मे तहरीर दी है मगर थाने मे आज़म को छुड़ाने मे दलालो का जमावड़ा लगा है अब देखना होगा की पुलिस क्या कार्यवाही करती है।

ग्राम जानीपुर में काफी समय से बिजली के तारों में आग की चिंगारियां लगती आ रही है बिजली विभाग है खामोश

क्यूँ न लिखूँ सच- राकेश गुप्ता

शामली- थानाभवन प्रात: जानकारी के अनुसार ग्राम थाना भवन के क्षेत्र गांव जानीपुर में लगातार हो रही बिजली के खंभे के तारों में आग लगने की घटना, लगातार पिछले कुछ महीनों से एक ही जगह पर बार अब बिजली के तार में आग लगने की घटना हो रही है, इसके संबंध में कई बार बिजली विभाग के अभियंता ओर ह्यस्रश को मौखिक और वाट्सअप पर अपडेट किया ओर उसके स्थाई प्रबंधन केलिए प्रार्थना की गई परंतु विभाग रोज उस पर लीपापोती करके सिर्फ बिजली चालू करने तक ही सीमित है इसको देखकर लगता है कि बिजली विभाग जानबूझ कर अनहोनी को दावत दे रहा है और ग्रामीणों की जान को खतरे में डाल रहा है, इस संबंध में कांग्रेस जिला सचिव सोशल मीडिया अरविन्द जानीपुर ने ह्यस्रश शामली से फोन पर बातचीत की तो उन्होंने इसके समाधान का भरोसा दिया है, देखना ये है कि कब तक विभाग इस पर उचित करवाही करता है

किशोरी रहस्यमय ढंग से गायब गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच

मऊआइमा । मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम अलीवृसिंहपुर निवासी एक व्यक्ति का कहना है कि 16 जून को शाम पांच बजे उसकी 14 वर्षीय पुत्री गायब हो गई। व्यक्ति का कहना है कि वह हर स्थानों पर पता किया परन्तु कहीं कुछ भी पता नहीं चल रहा है। किन्हीं अनहोनी के डर से नाबालिग बेटी के पिता ने मऊआइमा थाने में गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज की है।

पुरानी रंजिश को लेकर मार पीट छह के खिलाफ मुकदमा दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच

मऊआइमा (प्रयागराज) मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम बालाडीह निवासनीय रत्नों देवी पत्नी छोटे लाल का आरोप है कि पुरानी रंजिश को लेकर विपक्षी एक राय होकर लाठी डंडा से मारे और जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस ने रत्नों देवी की तहरीर पर सुभाष, सतीश,निक्की देवी, पूनम देवी, बाबूलाल, सुशीला देवी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दी है।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु द्वितीय काउंसलिंग उपरांत अनुपस्थित छात्रों के लिए अंतिम अवसर

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- जिले अंतर्गत संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु काउंसलिंग का आयोजन दिनांक 16,17 एवं 19 मई को किया गया था। जिसका द्वितीय काउंसलिंग का आयोजन 04 एवं 05 जून को किया गया था। पुन: काउंसिलिंग में अनुपस्थित छात्रों को अंतिम अवसर प्रदान करते हुए दिनांक 24 जून को काउंसलिंग को आयोजन एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय शिवप्रसादनगर में किया गया है। अनुपस्थित छात्रों की सूची जिले के वेबसाईट http://surajpur.nic.in/ पर एवं कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास सूरजपुर तथा जिले के एकलव्य विद्यालयों के सूचना पटल पर अवलोकन किया जा सकता है।

Do not share your 3 secrets even with your best friend, you will end up shooting yourself in the foot

It is not wise to share everything about your life with your best friend. There are some things that you should always keep secret. By revealing these things to your friends, you will be

shooting yourself in the foot. Imagine, you put your head on the shoulder of your closest friend and revealed every secret of your heart! Have you ever felt for someone that there is no one better than them in this world who can understand you? If yes, then this article is for you. Actually, this relationship of friendship is really very special, a connection in which we want to share everything without thinking (Best Friend Secrets), but do you know that there are some things that are better kept hidden even from your best friend (Friendship Trust Limits,)? Yes, you may be shocked to read this, but there are some secrets that by revealing them, you can shoot yourself in the foot. Your weaknesses and fears Every human being has some weaknesses and fears. You may feel okay telling your friend about them because you want support or advice from them, but sometimes revealing your weaknesses can prove to be costly. Relationships can change over time and friendships can also crack. In such a situation, the weaknesses you reveal can be used against you later. This does not mean that you should lie, but rather that you should keep your deepest fears and weaknesses to yourself. All your money secrets Money is something that people often do not talk about openly, no matter how deep the friendship is. It is not wise to tell all the details about your income, savings, investments or even loans to your best friend. In friendship, money transactions or anything related to it often sours the relationship. No matter how trustworthy your friend is, it is better to keep money matters private. This can avoid misunderstandings or any kind of quarrel in the future. Deep secrets of others If someone has trusted you and told you a deep secret, then do not tell it even to your best friend. Keeping the secrets of others hidden shows your honesty and trustworthiness. Even if your best friend is trustworthy, it is wrong to break someone else's trust. This will not only spoil your relationship with the person who trusted you, but your best friend may also feel that you can tell their secrets to someone else. It is the habit of many people to share every small and big thing with their best friend, but do you know that there are some things that you should keep hidden even from your best friend? Yes, reading this (Friendship Advice) may seem strange, but there are some secrets that if told, you can get yourself into trouble.

As soon as monsoon arrives, the terror of mosquitoes increases, try these 5 easy tips to keep them away from home

Mosquitoes increase a lot in the rainy season. Therefore, the risk of diseases like dengue and malaria also increases a lot in this season. To avoid them, it is important to keep mosquitoes away from home (Tips to Keep Mosquitoes). Some tips can be adopted to drive them away. Let's know easy ways to drive away mosquitoes. The terror of mosquitoes increases in the monsoon, due to them the risk of diseases like dengue and malaria increases. Mosquitoes can be driven away by some easy methods. The monsoon season brings with it cold winds and raindrops, but in this pleasant weather the terror of mosquitoes increases. Actually, this season is perfect for the breeding of mosquitoes. Therefore, in this season, mosquitoes not only bother by biting, but also cause dangerous diseases like dengue, malaria and chikungunya. In such a situation, it is very important to protect yourself from them (Natural Mosquito Repellent). Therefore, today we are going to tell you some such tips (Tips to Keep Mosquitoes Away), which are very effective in driving away mosquitoes from the house. Do not let water accumulate in the house. Mosquitoes lay eggs in stagnant water, so first of all do not let water accumulate anywhere around the house. Do not let water accumulate in pots, coolers, buckets and tires etc. in the house. If water is filled, keep changing it regularly or keep it covered. Always keep the water tank on the roof closed. Also, keep the drains and gutters clean and keep them covered too, so that the water keeps flowing. Use mosquito net and screen. Using mosquito net while sleeping at night is the most effective way. Mosquito net has small holes, which does not cause suffocation and also protects from mosquito bites. Apart from this, get nets installed on windows and doors, so that there is ventilation and mosquitoes do not come into the house. If you don't have a mosquito net, use mosquito repellent cream or

spray, especially if you are going out of the house. Drive away mosquitoes with natural methods If you don't want to use chemical sprays to drive away mosquitoes, you can use some natural methods to drive them away. Put neem oil or camphor in a bowl of water and keep it in the room. Mosquitoes run away with its fragrance. Apart from this, put lavender and eucalyptus oil in a diffuser or apply it on the body. Their fragrance also keeps mosquitoes away. Planting a basil plant outside the house also keeps mosquitoes away. Apart from this, mosquitoes also stay away from the smell of garlic. For this, boil some garlic cloves in water and make a spray and spray it in the corners. Maintain cleanliness and ventilation of the house Mosquitoes thrive in dark and damp places. This is a perfect place for them to live and breed. Therefore, keep the house clean and keep the dustbin covered. Also, let fresh air enter the rooms and open the curtains in the morning to let sunlight in so that the humidity in the room is reduced. Clean and dry the humid places in the house, such as bathroom and kitchen, thoroughly after use. Use mosquito repellent device Nowadays, many mosquito repellent devices are available in the market, such as mosquito killing racket, electric mosquito repellent machine.

Suhagraat is considered incomplete without these 3 things, take note now; no one will tell this secret

Many rituals are performed during the wedding. Suhagraat (First Night Rituals) is one of these which is an important ritual for every newlywed couple which symbolizes the beginning of

their married life. It is special in many ways. Some special things are considered important to make this night memorable. Many rituals are performed during the wedding. Suhagraat is one of these, which is considered very important. This first night of marriage is considered incomplete without some things. The wedding day is very special for everyone. People eagerly wait for this moment and to make it special, people take care of many things. Marriage is a bond of many births, which two people live for their entire life. Marriage has a special significance in every religion and community, but many rituals and customs are prevalent in Hinduism. Here, many rituals and traditions are performed from the beginning to the end of the marriage. One of these is Suhagrat (Suhagrat tips), on hearing the name of which people often start hesitating. Even today people do not talk about it openly. However, this is one of the most important rituals of married life (First Night Rituals), which is considered to be the beginning of the life of a new couple. This ritual is very special, which has a lot of importance. However, there are some things, without which Suhagrat (First night essential things) is considered incomplete. Today in this article we are going to tell you about these things. Why is Suhagrat special? On hearing the name of Suhagrat, only one thought comes to people's mind, but the first night of marriage is important in many ways. This is the beginning of the married life of the bride and groom as husband and wife. Along with this, it is also an opportunity to understand and know each other. The first night of marriage is called Suhagraat because it is the first night of a girl as a Suhagan after marriage. Suhagraat is incomplete without these things Glass of milk The first night of marriage is considered incomplete without a glass of milk. This is an important ritual in which the bride brings a glass of milk with turmeric or saffron for the groom. There are both astrological and scientific reasons behind this ritual. Actually, it is believed that milk is drunk on Suhagraat to add sweetness to the married life of the husband and wife. At the same time, according to science, milk with turmeric or saffron works as an aphrodisiac. It also helps in relieving stress, anxiety and depression. The ritual of 'Muh Dikhai' Very few people would know that 'Muh Dikhai' is also done on the occasion of Suhagraat. This is a ritual that has been going on for centuries, in which the husband lifts the veil of his wife and looks at her face. He also gives gifts to his wife during this time. Gifts for each other On the Suhagraat, both the husband and wife bring gifts for each other. This is a way of expressing love and respect for each other. It is also a way to make the first night of marriage memorable.

Chitrangada Singh's frank opinion on cosmetic surgery, shows mirror to trollers

Bollywood actress Chitrangada Singh is seen in the recently released film Housefull 5. Meanwhile, the actress has strongly condemned the trolling of actresses who have undergone cosmetic surgery. In a recent interview, she has expressed disappointment over the sharp comments and personal attacks on stars, especially women. Cosmetic surgery is a trend in Bollywood Actresses are trolled after surgery Chitrangada Singh gave a befitting reply to trollers Bollywood actress Chitrangada Singh may be seen less in films, but the actress is well liked for her frank style. Apart from this, the issue of cosmetic surgery is quite old in the film industry. Chitrangada has defended actors who have undergone cosmetic surgery and has strongly criticized those who troll. She said that getting surgery is a personal choice, and there is nothing wrong in it. Chitrangada appealed to people to appreciate the art of the stars instead of commenting on their personal lives. Let's know the full details of this news. Chitrangada's reply to trollers Chitrangada Singh recently expressed her opinion about cosmetic surgery in an interview. She said that some people make harsh comments on the surgery of Bollywood stars, which is absolutely wrong. Chitrangada said, "Why do people become so judgmental about surgery? It is one's personal choice. If someone wants to improve their look, what is wrong with that?" She stressed that trolling is completely unnecessary and it puts mental pressure on the stars. Surgery can be a personal decision Chitrangada told that getting cosmetic surgery or beauty treatments is everyone's personal decision. She said, "Every person has the right to be comfortable with their body and look. Stars are also human beings, and if they want some changes, we should respect them." Chitrangada also said that people should focus on the stars' acting and their work, not on their personal life. Chitrangada expressed concern about trolling on social media. She said that it is wrong to troll stars for their surgery or looks. "People think it is their right to comment on the lives of stars, but this is wrong. Trolling puts mental pressure on stars," she said. Chitrangada admitted that there is always pressure of looks in Bollywood, but that does not mean that people should judge stars. Trend of surgery in Bollywood Cosmetic surgery and beauty treatments are on the rise in Bollywood. Many stars resort to botox, fillers, or surgery to improve their looks. Chitrangada said that this is nothing new and it happens all over the world. She said, "Stars do this in Hollywood too, but people there consider it normal. In India, people make a big issue out of it."

Samantha Ruth Prabhu came out of the gym in anger, got furious at the paps, users said- 'Why so irritated?'

Whenever Samantha Ruth Prabhu comes to Mumbai or is spotted here, she always poses for the paparazzi or talks smilingly. But recently she was seen very angry in front of the camera.

Her video is going viral. Samantha Ruth Prabhu's anger on the paps Samantha was last seen in the movie Shubham Samantha Ruth is doing film production along with acting Samantha Ruth Prabhu is a popular actress of South cinema who has shown her charm in Hindi cinema along with South. Many times Samantha comes into the limelight for her personal life apart from her professional life. These days she has come into the limelight for her angry video. Samantha Ruth Prabhu has been in the news continuously since the year 2021. From divorce from ex-husband to battling with myositis, Samantha has had a challenging few years. But she never let the smile go off her face. But recently, she was seen very angry for some reason. Samantha Ruth Prabhu got angry at the paps On June 17, Samantha Ruth Prabhu was seen coming out of a gym in Mumbai. During this, she was so angry that she got angry at the paps. She was talking to someone on the phone and was leaving in a hurry. When she saw the paparazzi outside, she got furious and said angrily, "Stop it, yaar." After this, she sat in the car and left. Not only this, another video has surfaced in which Samantha is refusing the paps to capture her. She kept saying again and again but the paps did not listen. She is seen in a gym look during this time. Users vented their anger Since the video went viral, users are trolling the paps. A user said, "If people trouble her like this, then the actress will definitely get angry." One said, "It could be anyone. The girl has just come out of the gym and you are shoving your camera in her mouth." One said, "Why are you so angry?" One said, "Why are you guys so irritated." Samantha Ruth Prabhu was last seen in the recently released horror film Shubham in which she did a cameo. This is her first film as a producer.

From Runway 34 to The Kandahar Hijack: These movies and series show a glimpse of plane crashes

Movies Based On Aviation The Ahmedabad plane crash shook the country in which many people have lost their lives. Emergency situations that occur in planes are extremely difficult. Many such films have been made in Bollywood which show situations like hijack crash and emergency landing. Let's know the stories of these films and their impact. Movies and series based on plane crashes From hijack to a glimpse of technical fault The story inside the plane was seen in these shows The recent plane crash in Ahmedabad shocked the whole country. This accident took away many lives. Many such films have been made in Bollywood, which show thrilling and emotional moments like plane crash, hijack and emergency landing. Let's read about the stories of these films. Neerja Neerja (2016) is based on a true story, in which Sonam Kapoor played the role of Neerja Bhanot. Neerja was a flight attendant who saved the lives of 360 passengers by sacrificing her life during the hijack of Pan Am Flight 73 in 1986. The film showed how Neerja bravely faced the terrorists and sacrificed her life to save the passengers. This film is an example of courage and sacrifice. Neerja was posthumously awarded the Ashok Chakra. AirliftAirlift (2016) starred Akshay Kumar as Ranjit Katiyal, a businessman. The film is based on a true incident of the 1990 Gulf War, when 1,70,000 Indians were trapped in Kuwait. Ranjit, along with the Government of India, took the initiative to evacuate these people. The film showed how such a large-scale rescue operation took place through planes. This story reflects patriotism and humanity. Bell Bottom Bell Bottom (2021) starred Akshay Kumar as a RAW agent. The film is based on a true hijack mission from the 1980s. Akshay's character is a spy, who goes on a dangerous mission to save the hijacked plane. The film is a great mix of espionage, action and suspense. It shows how India made every possible effort to save its citizens.IC 814: Kandahar Hijack The series IC 814: Kandahar Hijack, released in the year 2024, was released on the OTT platform Netflix. On 4 December 1999, flight IC-814 from Kathmandu to Delhi was hijacked by five terrorists. The plane was taken to Amritsar, Lahore, Dubai, and finally to Taliban-occupied Kandahar, Afghanistan. There was a lot of controversy after the release of the series. But people liked this story a lot on OTT. The series can be watched on Netflix.